दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 272 ■ दमण, शुक्रवार 17, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि: नमो एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए पहली फ्लाइट ने भरी उडान

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने नमो एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रथम वाणिज्यिक उड़ान को दिखाई हरी झंडी

■ दमण और नई दिल्ली के बीच सीधी हवाई सेवा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ बनाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण उदाहरण है: किंजरापु राममोहन नायडू ■ पिछले दस वर्षों में संघ प्रदेश ने आधुनिक अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है: प्रशासक प्रफुल पटेल ■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 जून 2026 को राष्ट्र को समर्पित नमो एयरपोर्ट से निर्धारित वाणिज्यिक उड़ानों का हुआ शुभारंभ ■ एलायंस एयर ने दमण-दिल्ली-दमण सेवा प्रारंभ की, मुंबई-दमण-अहमदाबाद मार्ग भी शीघ्र होगा शुरू ■ बेहतर हवाई संपर्क से पर्यटन, व्यापार, निवेश, रोजगार एवं क्षेत्रीय विकास को मिलेगा नया आयाम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा, जब नमो एयरपोर्ट दमण से नई दिल्ली के लिए पहली निर्धारित वाणिज्यिक उड़ान को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने प्रशासक प्रफुल पटेल की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दमण से निर्धारित वाणिज्यिक उड़ानों का शुभारंभ यहां के नागरिकों की लंबे समय से संजोई गई आकांक्षा की पूर्ति है तथा इससे संघ प्रदेश में विमानन, पर्यटन और आर्थिक विकास के नए युग का शुभारंभ हुआ है। इस अवसर पर एलायंस एयर ने अपनी नियमित दमण-दिल्ली-दमण सेवा प्रारंभ की, जिसका संचालन प्रत्येक सोमवार और बुधवार को किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मुंबई-दमण-अहमदाबाद मार्ग भी शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा, जिससे दमण को देश के प्रमुख वाणिज्यिक एवं प्रशासनिक केंद्रों से सीधी हवाई कनेक्टिविटी प्राप्त होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि दमण और नई दिल्ली के बीच सीधी हवाई सेवा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ बनाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह नई हवाई सेवा पर्यटन, व्यापार, निवेश एवं आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी तथा नागरिकों और पर्यटकों के लिए यात्रा को अधिक तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाएगी। उन्होंने कहा कि आज दमण के लिए एक ऐतिहासिक दिन है और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की क्रांतिकारी उड़ान योजना के तहत 120 करोड़ रूपये की लागत से बना यह नमो एयरपोर्ट आज गर्व के साथ उड़ान भरने जा रहा है। यह हमारे सबके लिए एक सौभाग्य का विषय है। आपके दमण की पहली उड़ान सीधी देश की राजधानी दिल्ली के लिए हमारे सामने उड़ने के लिए तैयार है। वह भी केवल ढाई घंटे में यहां से वहां पहुंचने की एक इंतजाम हमने आज यहां से शुरू करने का काम किया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी को खास करके दमण के रहने वाले हमारे भाइयों और बहनों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। दमण में यह समुद्र की सुकून भरी हवा और के साथ इतने कम उम्र में मुझे एक केन्द्रीय मंत्री के तहत काम करने का एक मौका मिला। शिक्षा के क्षेत्र में हो या फिर रोजगार के क्षेत्र में, पर्यटक के क्षेत्र में या अन्य कहीं सारे स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो भी चीज आप देखेंगे कि पिछले 12 साल में अगर तुलना करेंगे तो आपको जमीन आसमान का फर्क आज दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में देखने को मिलेगा। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव को 13,000 करोड़ की लागत से 450 से अधिक परियोजनाओं का लाभ भी इस सरकार में हमें मिला है। प्रधानमंत्री जी ने इस क्षेत्र के विकास को हमेशा प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि दमण वासियों ने प्रधानमंत्री जी को नेतृत्व में सम्मान भी देखा और उसी के साथ आज उनको भी सम्मान करते हुए हमारा जो एयरपोर्ट है उसका नाम भी नमो एयरपोर्ट करके लोकार्पण भी किया। मेरा मानना है कि नमो केवल एक नाम नहीं है। नमो एक सेवा भाव समाज के लिए है। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रशासक प्रफुल पटेल ने कहा कि ढाई लाख की आबादी वाला दमण जिसे छोटा टाउन बोल सकते हैं इसमें इतना बडा एयरपोर्ट हो और यहां से डायरेक्ट फ्लाइट देश की राजधानी दिल्ली से हम जुडते हैं तो इससे बडा सौभाग्य क्या हो सकता है। आज केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री पिंजरापु राममोहन नायडू ने अपने करकमलों से इस कॉमर्शियल फ्लाइट को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया। आज मैं विशेष उल्लेख करना चाहता हूं, अभिनंदन करना चाहता हूं, आभार प्रकट करना चाहता हूं कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद और उसके साथ-साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार प्रकट करता हूं। साथ ही कोस्टगार्ड का भी अभिनंदन एवं आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने हमें इसके लिए अनुमति दी है, वरना यह संभव नहीं था। आप याद रखना पांच साल के बाद दमण का नक्शा ही बदल जाएगा। 15 हजार इंस्ट्रीज के लोग चाहे दमण हो, सिलवासा हो, वापी हो, सरीगाम हो, उमरगाम हो, पालघर, वलसाड की जितनी भी इंडस्ट्रीज हैं वे लोग इसी एयरपोर्ट का ही उपयोग करेंगे, ऐसा मुझे पक्का भरोसा है। यहां से मुंबई जाने और सूरत जाने में कई घंटे लगेंगे। साधारण आदमी के लिए दो घंटे से पहले एयरपोर्ट पर पहुंचना होता है। अब तो कोई झंझट नहीं। दमण से टेक ऑफ करो और दो घंटे में दिल्ली पहुंच जाओ। इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है? सिर्फ दो घंटे में आप दिल्ली। इससे मेरे इंडस्ट्रीज के लोगों को भी फायदा होगा। प्रशासक प्रफुल पटेल ने कहा कि दमण के आस-पास विस्तारों के औद्योगिक क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर काम करने वाले और उद्योगकर्मी, श्रमिकों के साथ प्रशासनिक सेवा देने वाले 6-7 लोगों में से अधिकांश लोग उत्तर भारतीय हैं। उनकी सहुलियत के लिए मैंने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को विनती किया है कि आने वाले दिनों में यहां से मुझे एक लखनऊ और एक पटना के लिए भी फ्लाइट शुरू कर देना मैं बहुत आभारी रहूंगा। प्रशासक प्रफुल पटेल ने दमण एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट में यात्रा करने वाले सभी यात्रियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में संघ प्रदेश ने आधुनिक अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने दमण को विश्वस्तरीय विमानन अवसंरचना प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय राजधानी के लिए सीधी हवाई सेवा प्रारंभ होने से संपर्क व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी, पर्यटन एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होगा तथा समावेशी एवं सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के नए अवसर सृजित होंगे। इस ऐतिहासिक समारोह में नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, एलायंस एयर के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, आमंत्रित अतिथि तथा मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और इस गौरवपूर्ण अवसर के साक्षी बने। नमो एयरपोर्ट से निर्धारित वाणिज्यिक उड़ानों का शुभारंभ दमण को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर संपर्क वाले प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत सरकार की आधुनिक अवसंरचना के विकास, क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दूरदर्शी सोच को भी साकार करता है। उल्लेखनीय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 5 जून 2026 को दमण प्रवास के दौरान नमोएयरपोर्ट का लोकार्पण किया था। इससे पूर्व उन्होंने 25 अप्रैल 2023 को सिविल टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी थी और मात्र तीन वर्षों के भीतर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया, जो समयबद्ध अवसंरचना विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए मई 2026 में रक्षा मंत्रालय ने नमोएयरपोर्ट के रनवे विस्तार प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद यहां बड़े रक्षा विमानों के साथ-साथ एयरबस ए320 श्रेणी के नागरिक विमानों का संचालन भी संभव हो सकेगा। यह रणनीतिक विस्तार क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा तैयारियों को मजबूती देगा तथा पर्यटन, व्यापार, निवेश एवं आर्थिक विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हुए दमण को भारत के पश्चिमी तट पर उभरते हुए विमानन एवं पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रहीं महिलाओं ने मांगी इच्छामृत्यु

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में पांच महिलाएं, जो प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रही हैं, उन्होंने अब डायलिसिस कराने से इनकार कर दिया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से या तो किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करने या इच्छामृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध किया है। इन महिलाओं ने अपने परिजनों के साथ मिलकर जिला अधिकारियों को किडनी ट्रांसप्लांट सुनिश्चित करने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद यह गंभीर कदम उठाया गया है। परिजनों का कहना है कि वे अपनी पत्नियों को इस तरह तड़पते हुए और नहीं देख सकते और अगर लिखित आश्वासन नहीं मिला तो वे उन्हें डायलिसिस के लिए लाना बंद कर देंगे। उनके अनुसार, ये महिलाएं चलती-फिरती लाशों की तरह जी रही हैं। मई की शुरुआत में बच्चे के जन्म के बाद से ही धन्नी सुमन, रागिनी मीणा, सुशीला महावर, पिंकी एयरवाल और आरती चौबदार नाम की इन महिलाओं की सेहत लगातार बिगड़ती गई है। वे 70 से अधिक दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं और इस दौरान उन्हें 32 बार डायलिसिस से गुजरना पड़ा है। सुमन के पति मोहन लाल ने बताया कि उनकी पत्नी को अब डायलिसिस शब्द से ही डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के एक घंटे के भीतर ही उन्हें उल्टी होने लगती है, वे बुरी तरह कांपने लगती हैं और तेज बुखार आ जाता है। इसी तरह, रागिनी ने भी डायलिसिस को बेहद दर्दनाक बताया और शिकायत की कि लंबे समय तक चले इलाज के बावजूद उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। पिंकी और आरती तो डायलिसिस से मना कर अस्पताल से बाहर भी चली गईं, अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए। रागिनी के पति लोकेश मीना ने यह भी दावा किया कि वार्ड स्टाफ उन पर रोज डिस्चार्ज लेने का दबाव डाल रहा है। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एनएमसीएच) के अधिकारियों ने हालांकि इन आरोपों को खारिज किया है। एनएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ. नीलेश जैन ने बताया कि सभी पांचों महिलाओं का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें 20 दिन पहले ही डिस्चार्ज करने की मंजूरी मिल गई थी और वे डायलिसिस सेशन के लिए अस्पताल आ सकती हैं। डॉ. जैन ने यह चेतावनी भी दी कि डायलिसिस से इनकार करना जानलेवा हो सकता है।

विद्युत संकट गंभीर समस्या, सांसद सैलजा ने सीएम को पत्र लिख की समाधान की मांग

सिरसा (एजेंसी)। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कालांवाली शहर और आसपास के इलाकों में लगातार बनी हुई विद्युत संकट की समस्या को गंभीर जनहित का विषय बताते हुए हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है। पत्र में कुमारी सैलजा ने कहा है कि चोरमार से कालांवाली आने वाली मुख्य विद्युत लाइन में बार-बार तकनीकी खराबियां आने से इलाके में बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। इससे आम नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्य संस्थानों, लघु उद्योगों तथा अन्य जरुरी सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में यह समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलजा ने सीएम सैनी से आग्रह किया है कि संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश देकर मुख्य विद्युत लाइन का तकनीकी परीक्षण, आवश्यक उन्नयन, क्षमता वृद्धि, मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, ताकि कालांवाली एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से स्थायी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े इस विषय का शीघ्र समाधान किया जाना जरुरी है।

संजय राउत ने सीएम फडणवीस से रामरक्षा कार्यक्रम में आने का किया आग्रह

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 19 जुलाई को नागपुर में आयोजित हो रहे रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने उन्हें एक पत्र भी लिखा है और पोस्ट करते हुए कहा कि सीएम फडणवीस, रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने जरूर आइए। हम सभी आपके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य ने पत्र में मुख्यमंत्री फडणवीस को प्रखर राष्ट्रभक्त और कट्टर हिंदुत्ववादी बताकर लिखा कि उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि वे भी अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। राउत ने कहा कि करोड़ों रामभक्तों की तरह फडणवीस की भी यह इच्छा थी कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बने और अब वह सपना साकार हो चुका है। पत्र में राउत ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राम मंदिर को लेकर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। इसतरह के प्रचार से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस ध्यान में रखते हुए शिवसेना (यूबीटी) की ओर से रामरक्षा अभियान शुरू किया गया है। संजय राउत ने मुख्यमंत्री फडणवीस से आग्रह किया है कि वे 19 जुलाई, को शाम 4:30 बजे नागपुर के रामनगर स्थित राम मंदिर में आयोजित रामरक्षा कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हों और वहां उपस्थित रामभक्तों का मार्गदर्शन करें। राउत के इस निमंत्रण को महाराष्ट्र की राजनीति में भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने राजनीतिक मतभेदों से अलग हटकर मुख्यमंत्री फडणवीस को खुले तौर पर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री फडणवीस निमंत्रण को स्वीकार करते हैं या नहीं।

दिल्ली में रफ्तार का कहर : डंपर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को बुद्ध विहार-कंझावला रोड पर तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने एक महिला को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त रोहिणी निवासी प्रियंका के रूप में हुई है। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। शव को सड़क से हटाने के बाद यातायात को सामान्य कराया गया। पुलिस ने हादसे में शामिल डंपर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह दर्दनाक हादसा दिल्ली में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और हिट-एंड-रन मामलों की गंभीर स्थिति को दिखाता है। एक दिन पहले ही सिंघु बॉर्डर के पास ड्यूटी पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत हुई थी।

ममता से 30 साल पुरानी दोस्ती तोड़ कर किया आर-पार का ऐलान

राजनीति के 'गांधारी' और 'हिटलर' पर मदन मित्रा का तीखा वार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। तीन दशकों तक ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे कामारहाटी के विधायक मदन मित्रा ने अब पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ममता बनर्जी के साथ अपनी राजनीतिक दोस्ती को दरकिनार कर 'आर-पार' की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। मदन मित्रा का यह बागी तेवर राज्य की सियासत में नई बहस छेड़ चुका है।मदन मित्रा ने अपनी नाराजगी की मुख्य वजह पार्टी के भीतर का 'दमघोंटू' माहौल बताया है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ समय से पार्टी में उनका दम घुट रहा था और काम करने के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं थीं। ममता बनर्जी के आसपास का दायरा सिमटने की बात करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए ममता को 'गांधारी' या 'धृतराष्ट्र' जैसी संज्ञा दी। मदन मित्रा का तंज साफ था कि नेतृत्व सब कुछ देखते हुए भी आंखें मूंदे बैठा

है।

उन्होंने अभिषेक बनर्जी पर सीधा और सबसे तीखा हमला करते हुए उनकी तुलना 'हिटलर' से कर डाली। मदन मित्रा का आरोप है कि पार्टी में अब सिर्फ एक व्यक्ति की चलती है और जो उनके फैसलों पर सवाल उठाता है, उसकी मुश्किलें बढ़ जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे इस व्यवस्था से तंग आकर ही कालीघाट कैंप से दूरी बनाने पर मजबूर हुए हैं। हाल ही में चर्चा रही कि उन्होंने ममता बनर्जी से माफी मांगी है। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए मदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने व्हाट्सएप के जरिए ममता को माफी का संदेश जरूर भेजा था क्योंकि वे आज भी उनका व्यक्तिगत सम्मान करते हैं। लेकिन उन्होंने साफ किया कि माफी मांगने का मतलब यह कतई नहीं है कि उनकी राजनीतिक परेशानियां खत्म हो गई हैं या वे पार्टी के तानाशाही रवैये से सहमत हैं। मदन मित्रा ने 21 जुलाई के कार्यक्रम और उसमें शामिल होने वाली भीड़ पर भी कटाक्ष किया। हाईकोर्ट के आदेश और भीड़ के दावों पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य की राजनीति का चेहरा बदलने का समय आ गया है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी अजेय नहीं है और यदि विपक्षी ताकतें एकजुट हो जाएं, तो आने वाले एक साल के भीतर पश्चिम बंगाल की राजनीति की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी। उनके इस बगावती तेवर ने सत्ताधारी दल के अंदरूनी कलह को सार्वजनिक कर दिया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा : शंकराचार्य निश्चलानंद से धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेताओं ने की मुलाकात

पुरी (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरीपीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज से मुलाकात की। प्रधान ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- पावन रथ यात्रा के शुभ अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरी पीठ के पूज्यपाद जगद्गुरु शंकराचार्य के श्रीचरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनका स्नेह और आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा देता है। सनातन परंपरा एवं श्री जगन्नाथ संस्कृति के इस महान आध्यात्मिक केंद्र में उपस्थित होकर मन श्रद्धा, शांति और आनंद से अभिभूत है। इससे पहले सीएम मोहन चरण माझी ने जगद्गुरु शंकराचार्य से मुलाकात की थी। उन्होंने आगे लिखा कि श्री गोवर्धन मठ में मुझे परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज की दिव्य उपस्थिति और उनके अमृतमयी आशीर्वाद को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने लिखा कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, मानवीय मूल्यों की स्थापना और सामाजिक समरसता की रक्षा के लिए, परम पूज्य शंकराचार्य जी का अमूल्य जीवन-दर्शन और मार्गदर्शन सदैव एक प्रकाश-पुंज का कार्य करता है। जगद्गुरु की इस पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन ने मुझे राज्य की जनता की निरंतर सेवा के लिए नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भर दिया है। पुरी से बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने भी शंकराचार्य से मुकालात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा- आज श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में मुझे गोवर्धन मठ के परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वतीजी महाराज के दर्शन और पवित्र आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

पीएम मोदी आज आएंगे चंडीगढ़, ट्रैफिक पुलिस ने किया प्रमुख मार्गों को डायवर्ट

-लोगों को सलाह वैकल्पिक रास्तों का करें इस्तेमाल, साइकिल ट्रैक, फुटपाथ खड़े ना करें वाहन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ आ रहे हैं। उनके दौरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है ताकि लोगों को आने-जाने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। पुलिस के मुताबिक चंडीगढ़-नयागांव बैरियर से लेकर पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज लाइट प्वाइंट और सेक्टर-2/3/10-11 चौक तक ट्रैफिक प्रभावित रह सकता है, जिसके चलते ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। वहीं लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 3 बजे तक इस रूट का इस्तेमाल करने से बचें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक रास्तों का सहारा लें।

इसके अलावा ट्रैफिक की ताजा जानकारी प्राप्त करने के लिए लोगों से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर बनाए रखने की अपील की गई है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों, अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहन केवल तय पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। साइकिल ट्रैक, फुटपाथ या नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर वाहनों को टो भी किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि पीएम मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर के जरिए राजेंद्र पार्क जाएंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेंगे। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने दो संभावित रूट तय किए हैं। पहले रूट के मुताबिक पीएम का काफिला राजेंद्र पार्क से रवाना होकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री आवासों के बीच वाले मार्ग से विज्ञान पथ होते हुए सीधे पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वहीं वैकल्पिक रूट के तहत काफिला राजेंद्र पार्क से निकलकर पंजाब के सीएम हाउस के सामने से गुजरते हुए नयागांव रोड के रास्ते पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज तक जाएगा। सुरक्षा कारणों से दोनों मार्गों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर इनमें से किसी भी रूट का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक अन्य वैकल्पिक रूट एयरपोर्ट से तैयार किया गया है, जिसके तहत काफिला एयरोपोर्ट स्थित एयरफोर्स एंट्री से रवाना होकर एयरपोर्ट चौक, ट्रिब्यून चौक, मध्य मार्ग, ट्रांसपोर्ट चौक और पंजाब राज्यभवन वाले रास्ते से विज्ञान पथ के रास्ते होते हुए पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वांगचुक बोले-रिपोर्ट नॉर्मल है, इतनी जल्दी हार मानने वाला नहीं

संसद कूच की हुंकार : 19वें दिन भी डटे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली(एजेंसी)। लद्दाख की संवैधानिक सुरक्षा और अन्य अधिकारों की मांग को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का आज 19वां दिन है। बिगड़ती सेहत के बीच वांगचुक ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश की जनता से आगामी 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने की एक बेहद भावुक और बड़ी अपील की है।

लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्हें देशभर से हजारों आम नागरिकों, समाज के बड़े-बुजुर्गों और विभिन्न राजनीतिक नेताओं के संदेश मिल रहे हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। कुछ शुभचिंतकों ने तो कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है ताकि सरकार उन्हें जबरन खाना खिला सके। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे आज खाना खा लेते हैं तो इससे सरकार को यही संदेश जाएगा कि जनता के प्रति जवाबदेही की कोई ज़रूरत नहीं है; लोग बैठते हैं और खुद ही उठकर चले जाते हैं। अपनी शारीरिक स्थिति पर चिंतित समर्थकों को ढाढस बंधाते हुए उन्होंने बताया कि 18 दिनों के अनशन के बावजूद उनके मेडिकल टेस्ट के रिज़ल्ट्स काफी नॉर्मल हैं। शरीर में कमजोरी जरूर बढ़ रही है और मांसपेशियां (मसल्स) खत्म हो रही हैं, लेकिन उनका दिल अभी भी ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि वे अभी इतने कमजोर नहीं हुए हैं कि दो-चार दिन में हिम्मत हार जाएं, और वे इस अनशन को कई दिनों तक आगे खींच सकते हैं।

वांगचुक ने देश की जनता से आग्रह किया कि वे सिर्फ उनसे अनशन तोड़ने के लिए न कहें, बल्कि खुद भी लद्दाख के इस हक की लड़ाई में एक छोटा कदम उठाएं। आगामी 20 जुलाई से देश की संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसे देखते हुए जंतर-मंतर पर पहले से ही परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर चलो संसद अभियान के तहत एक शांतिपूर्ण मार्च निकालने की तैयारी चल रही है। वांगचुक ने इस प्रदर्शन के साथ एकजुटता जताते हुए जनता से अपील की कि 20 जुलाई को सभी लोग इतनी बड़ी संख्या में यहाँ आएं कि सरकार तक एक अटूट संदेश पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब हम हजारों की संख्या में मिलकर लद्दाख के इस पूरे मुद्दे को देश की संसद के हवाले कर देंगे, तब उन्हें भरोसा हो जाएगा कि यह लड़ाई अब सही हाथों में चली गई है।

लाल किला एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ समारोह की भव्य तैयारियों और सुरक्षा इंतजामों के मद्देनजर लाल किला परिसर को एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को देखते हुए यह आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि लाल किला 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक स्वतंत्रता दिवस समारोह समाप्त होने तक आम जनता और पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पहले हर साल इस तरह का आदेश जारी किया जाता है।

सीता के पति... पर विवादित टिप्पणी मामले में फंसे कुणाल कामरा

जंतर-मंतर पर की टिप्पणी पर भड़के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हास्य कलाकार कुणाल कामरा ने जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के मंच से भगवान राम को लेकर एक बेहद विवादास्पद टिप्पणी कर दी, जिसके बाद उन्हें देश भर के लोगों की तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में कामरा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, ये जो सरकार है और ये जो कर रही है, बहुत सालों से कर रही है। हमने देखा है कि ये लोग बस सीता के पति का नाम ले लेके नीता के पति का काम कर रहे हैं। कामरा का यह बयान स्पष्ट रूप से नीता अंबानी के पति मुकेश अंबानी की ओर इशारा कर रहा था। विपक्षी नेता और मोदी सरकार के आलोचक अक्सर सरकार पर अंबानी जैसे उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते रहे हैं। कामरा ने भी इसी तरह की आलोचना की, लेकिन भगवान राम का नाम लेने की बजाय जिस तरीके से उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से मजाक किया और इस पर लोग हंसते हुए ताली बजाने लगे, उसको लेकर विशेष आपत्ति जाहिर की जा रही है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बीजेपी वाले सीता के पति का नाम लेके काम करते हैं। यह आज सीजेपी के मंच से कुणाल कामरा ने बोला। सीजेपी के मंच से

लगातार भगवान श्री राम का अपमान हो रहा है। कुछ दिन पहले जय श्री राम के नारे को लेकर भी आपत्तिजनक बातें हुई थीं। एक अन्य यूजर ने दिल्ली पुलिस से कामरा और दीपके के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए लिखा, आज अभिजीत दीपके ने कुणाल कामरा को सीजेपी प्रदर्शन पर बुलाया। जैसे ही उन्हें स्टेज मिला, कामरा ने अपना भाषण शुरू किया और हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाते हुए बोला - सीता का पति। इस अश्लील मजाक पर अभिजीत दीपके ताली बजाते और हंसते नजर आए। करोड़ों हिंदू मां सीता की पूजा करते हैं। क्या ये लोग इस्लाम या ईसाई धर्म के पवित्र व्यक्तियों का भी ऐसे ही मजाक उड़ाने की हिम्मत करेंगे? यह घटना एक बार फिर धार्मिक भावनाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच की नाजुक रेखा पर बहस को तेज कर दिया है। इस बयान को लेकर कई लोग उन पर निशाना साध रहे हैं और दिल्ली पुलिस से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कामरा की इस टिप्पणी को हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया जा रहा है। उनके साथ मंच पर मौजूद अभिजीत दीपके भी इस टिप्पणी पर तालियां बजाते और हंसते हुए दिखे, जिसके लिए उन्हें भी सार्वजनिक रूप से खूब कोसा जा रहा है।

कम बारिश से कर्नाटक में सूखे की स्थिति, डिप्टी सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

-राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनडीआरएफ के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून में कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बता दें जून महीने में कर्नाटक में 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 फीसदी कम बारिश हुई।

उपमुख्यमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आकलन के मुताबिक कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों

में करीब 80 फीसदी बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से अल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 फीसदी), मैसूर (55 फीसदी), मडिकेरी (51 फीसदी), चिक्कमगलुरु (48 फीसदी), दावणगेरे (47 फीसदी), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 फीसदी), कलबुर्गी (43 फीसदी), मंगलुरु (43 फीसदी) और बीदर (40 फीसदी) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए।

उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती। उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 फीसदी से ज्यादा फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 फीसदी फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में ज्यादा लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी सीएम परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अपील की कि मौजूदा हालात को राष्ट्रीय महत्व की आपदा घोषित करने या उसी स्तर की सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाए।

नौवीं में तीसरी भाषा बच्चों पर बढ़ाती है दबाव: सुप्रीम कोर्ट की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी कर कहा है कि नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा को अनिवार्य नहीं करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने बच्चों पर बढ़ते शैक्षिक दबाव और तनाव को देखकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। यह टिप्पणी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तीन भाषा नीति के खिलाफ चल रहे विवाद के बीच आई है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अलग मामले की सुनवाई के दौरान कही।

सुप्रीम कोर्ट जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई थी, इसमें तमिलनाडु सरकार को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवीएस) स्थापित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, जब नवोदय विद्यालय की ओर से पेश वकील ने तीसरी भाषा के नौवीं कक्षा से अनिवार्य होने का जिक्र किया, तब जस्टिस नागरत्ना ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, यह बहुत गलत बात है। सीबीएसई में नौवीं कक्षा अपने आप में ही तनावपूर्ण होती है। आप नौवीं क्लास में तीसरी भाषा क्यों लाते हैं? आप इस छठी क्लास में ही शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पांचवीं या छठी कक्षा में तीसरी भाषा शुरू कर देनी चाहिए और नौवीं कक्षा तक इसकी पढ़ाई खत्म होना चाहिए। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद कर बताया कि कैसे उनके समय में भी पढ़ाई का दबाव था, खासकर जब आईसीएसई और एसएसएलसी जैसे अलग-अलग पाठ्यक्रम साथ चलते थे। उन्होंने कहा, जब हमारे समय में ऐसी तैयारी थी, तब आज क्या स्थिति होगी? बच्चों पर कितना दबाव होता है, यह देखिए। उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि नौवीं क्लास में कोई नई भाषा न रखी जाए, क्योंकि आठवीं क्लास के आखिर से ही छात्रों पर पढ़ाई का दबाव शुरू होता है।

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर भी बात की और स्पष्ट किया कि एनईपी में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा नहीं कहा गया है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, राज्य की भाषा सिखानी होगी। अंग्रेजी सिखानी होगी। और कोई तीसरी भाषा भी। जरूरी नहीं कि वह हिंदी ही हो। वह संस्कृत हो सकती है। कोई भी तीसरी भाषा। संस्कृत क्यों नहीं? आपको हिंदी नहीं चाहिए, तब क्या संस्कृत भी नहीं चाहिए?

एक साथ सक्रिय हुई 4 मौसम प्रणालियां, कई जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा के आसार

■ मौसम विभाग का अलर्ट: लो प्रेशर, अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और मानसून ट्रफ के असर से फिर बदलेगा मौसम

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में एक बार फिर बारिश का नया दौर शुरू होने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में एक साथ चार प्रमुख मौसम प्रणालियां सक्रिय हो गई हैं। इनमें लो प्रेशर सिस्टम, अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और मानसून ट्रफ शामिल हैं। इन सभी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से अरब सागर से नमी से भरपूर हवाएं राज्य की ओर बढ़ेंगी, जिससे आने वाले दिनों में कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक पूर्वी गुजरात, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की जा सकती है। इसके अलावा 27 जुलाई के आसपास भी राज्य में बारिश का एक और दौर शुरू होने का अनुमान जताया गया है। पूरे गुजरात में तेज हवाओं और थंडरस्टॉर्म गतिविधियों के साथ मौसम सुहावना रहेगा, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

बारिश की इस भविष्यवाणी के बीच राजकोट शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में शुक्रवार को मौसम ने करवट ली और कई स्थानों पर बारिश के दौर देखने को मिले। लंबे समय से दूसरे राउंड की बारिश का इंतजार कर रहे किसानों और लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई है।

वहीं गिर सोमनाथ जिले के वेरावल और प्रसिद्ध सोमनाथ तीर्थ क्षेत्र में सुबह से लगातार बारिश हो रही है। उत्तर गुजरात के पाटण जिले में भी देर रात तेज बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम पूरी तरह बदल गया। हालांकि, इस वर्ष मानसून अब तक सामान्य से कमजोर बना हुआ है। राज्य में मानसून की शुरुआत से अब तक औसतन केवल 162.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि मौसम विभाग के दीर्घकालिक औसत के अनुसार इस अवधि तक 226.1 मिमी बारिश हो जानी चाहिए थी। यानी इस साल अब तक गुजरात में सामान्य से लगभग 28 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

आस्था, परंपरा और संस्कृति का भव्य उत्सव बनी एसजीवीपी गुरुकुल की रथयात्रा

अहमदाबाद (ईएमएस)। आषाढ़ी दूज के पवित्र पर्व के उपलक्ष्य में गुरुवार को मेमनगर स्थित एसजीवीपी गुरुकुल में द्वारा आयोजित 19वीं भव्य रथयात्रा का मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से कराया गया। मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथजी, भाई बलराम तथा बहन सुभद्राजी के रथों के समक्ष शास्त्रोक्त विधि से पूजन-अर्चन कर महाआरती की। इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ संतों तथा महानुभावों की गरिमामय उपस्थिति में तीनों रथों को प्रस्थान कराया और नगरजनों के लिए सुख, शांति एवं समृद्ध की प्रार्थना की। महापौर श्री हितेशभाई बारोट भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इस मंगलमय अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के नागरिकों को रथयात्रा तथा आषाढ़ी दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। रथयात्रा प्रस्थान के समय गुरुकुल परिसर में एकत्र हुए हजारों हरिभक्तों एवं श्रद्धालुओं ने 'जय रणछोड, माखण चोर' के जयघोष के साथ वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। यहाँ उल्लेखनीय है कि शास्त्रीजी महाराज धर्मजीवनदासजी स्वामी के 125वें जन्म दिवस तथा श्री स्वामीनारायण गुरुकुल-मेमनगर के स्वर्ण जयंती महोत्सव के दिव्य उपक्रम से इस 19वीं रथयात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में जुड़े रथों को विशेष आध्यात्मिक थीम आधारित झाँकियों से सुशोभित किया गया था।

भगवान जगन्नाथजी की यह रथयात्रा मेमनगर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में लगभग 7 किलोमीटर लंबे रूट पर परिभ्रमण कर नगरजनों को दर्शन का लाभ देने के बाद देर शाम गुरुकुल परिसर में सम्पन्न होगी। इस दिव्य रथयात्रा के प्रस्थान महोत्सव में सद्गुरु पुराणी बालकृष्णदासजी स्वामी, शहर अध्यक्ष प्रेरकभाई शाह, मनपा जलापूर्ति समिति के अध्यक्ष धरमशी देसाई, स्थानीय पार्षदगण, पूजनीय संत, अग्रणी, हरिभक्त और विशाल संख्या में नगरजन भक्तिभावपूर्वक सहभागी हुए।

कौशल और उद्योग को मिलेगी नई उड़ान

गांधीनगर में 'कौशल्य विकास भवन' की आधारशिला रखी गई

■ 20 करोड़ से अधिक की परियोजना से युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और उद्योगों को आधुनिक तकनीकी सहयोग मिलेगा

अहमदाबाद (ईएमएस)। नई पीढ़ी के कौशल वर्धन तथा औद्योगिक विकास को अधिक वेग देने के लिए 20 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से गांधीनगर में निर्मित होने वाले 'कौशल्य विकास भवन' का मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुरुवार को आषाढ़ी दूज के पर्व पर शिलान्यास किया गया। लघु उद्योग भारती-गुजरात तथा उद्योग विकास परिषद के संयुक्त उपक्रम से आयोजित इस समारोह में अखिल भारतीय संयोजक (हिन्दू धर्माचार्य सभा) के परम पूज्य स्वामी परमानंद सरस्वतीजी महाराज ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर आशीर्वचन दिए। नूतन भवन के निर्माण के लिए बड़ी राशि का दान देने वाले दाताओं का मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से सम्मान किया गया।

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती-गुजरात तथा उद्योग विकास परिषद के ईश्वर पटेल ने कहा कि आषाढ़ी दूज के पवित्र दिन मुख्यमंत्री के करकमलों से शिलान्यस्त किया गया नूतन कौशल विकास भवन आगामी समय में हमारे देश के युवाओं एवं उद्योगों के लिए प्रगति का एक नया द्वार बनेगा। इस संस्था का मूल मंत्र 'उद्योग के साथ राष्ट्रहित' है, जो एक संपूर्ण विचारधारा है। यह भवन हमारे उद्योगों को नई टेक्नोलॉजी तथा कुशलता प्रदान करने में एक पथदर्शक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उद्योगोन्मुखी नीतियों के परिणामस्वरूप जब हमारा गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना है, तब यह भवन आगामी समय में युवाओं को आधुनिक औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर के द्वार खोलेगा।

इस कार्यक्रम में गांधीनगर उत्तर की विधायक रीटा पटेल, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव प्रकाशचंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-गुजरात प्रांत के प्रांत संघचालक डॉ. भरत पटेल, प्रांत कार्यवाह शैलेष पटेल, लघु उद्योग भारती संगठन की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, गुजरात प्रांत के प्रभारी घनश्याम ओझा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बलदेव प्रजापति, हंसराजभाई गजेरा, जाने-माने उद्योगपति कन्हैयालाल पुष्प जैन, नीलेश गढिया, अरविंद पटेल, ऋत्विराज सहित राष्ट्रीय पदाधिकारी और उद्योगपति उपस्थित रहे।

यह भवन उद्योग विकास केन्द्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में विकसित किया जाएगा। इस भवन में प्रशिक्षण, परिसंवाद, टेक्निकल, वर्कशॉप, उद्योग मार्गदर्शन, स्किल डेवलपमेंट तथा स्टार्टअप जैसी गतिविधियाँ होंगी। यहाँ नए उद्यमी तैयार होंगे और स्वरोजगार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह भवन उद्योगकारों, सरकार, विशेषज्ञों तथा शैक्षणिक संस्थानों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण केन्द्र बनेगा।

वलसाड LCB को मिली बड़ी कामयाबी

लंबे समय से फरार चल रहा शातिर अपराधी मनोहरसिंह चढ़ा पुलिस के हत्थे

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी/वलसाड, 16 जुलाई। वलसाड जिला लोकल क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए प्रोहिबिशन और संगठित अपराध के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, सूरत विभाग के पुलिस महानिरीक्षक प्रेम वीर सिंह (IPS) और वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक युवराज सिंह जडेजा (IPS) के दिशा-निर्देशों के तहत एलसीबी पुलिस इंस्पेक्टर ए.यू. रोज और उनकी टीम क्षेत्र में गंभीर व प्रोहिबिशन के मामलों में वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार सक्रिय थी। इसी दौरान पुलिस टीम को वलसाड रूरल पुलिस स्टेशन में दर्ज प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65(ए)(इ), 81, 83, 98(2), 116(ख) और भारतीय न्याय संहिता (इठर) 2023 की धारा 111(2)(बी), 111(3)(4) के तहत दर्ज मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी

मनोहरसिंह उर्फ मोन्टू वीरभद्रसिंह चौहान को पकड़ने में सफलता मिली। आरोपी सूरत शहर के उधना, बमरोली रोड स्थित रामनगर-1 मकान नं- 143, 144 का रहने वाला है, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी मनोहरसिंह उर्फ मोन्टू एक आदतन अपराधी है और उसका पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहले भी कई थानों में गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें उधना पुलिस स्टेशन में वर्ष 2013 में आईपीसी की धारा 326, 324, 323, 114 के तहत मारपीट का मामला शामिल है। इसके अलावा वर्ष 2014 में वापी टाउन पुलिस स्टेशन और वापी जी.आई.डी.सी. पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किए गए थे। इतना ही नहीं, वर्ष 2019 में वलसाड जिले के पारडी पुलिस स्टेशन में भी उसके खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था, और हाल ही में वर्ष 2026 में नवसारी जिले के चीखली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 308(6), 352, 351(3) के तहत भी एक आपराधिक मुकदमा दर्ज पाया गया है। वलसाड पुलिस इसे संगठित अपराधों और शराब तस्करी के नेटवर्क पर एक बड़ा प्रहार मान रही है और आरोपी से नेटवर्क से जुड़े अन्य साथियों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है।

नागपुर कांग्रेस नगरसेवक की कार का मध्य प्रदेश में हादसा, बाल-बाल बचे

नागपुर, (ईएमएस)। नागपुर महानगरपालिका के कांग्रेस नगरसेवक शुभम मोटघरे की कार मध्य प्रदेश में एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। यह दुर्घटना बुधवार देर रात हरदा रोड के जंगल क्षेत्र में हुई, जब वे अपने साथियों के साथ मध्य प्रदेश से नागपुर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, यात्रा के दौरान अचानक एक नीलगाय कार के सामने आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर तीन से चार बार पलटी और सड़क किनारे बने पुल के नीचे जा गिरी। हादसा बेहद गंभीर था, लेकिन राहत की बात यह रही कि कांग्रेस नगरसेवक शुभम मोटघरे और उनके साथ मौजूद सभी लोग बाल-बाल बच गए। दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। हालांकि, वाहन को भारी नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। सभी सवारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। शुभम मोटघरे नागपुर महानगरपालिका के वार्ड (प्रभाग) क्रमांक 26 के कांग्रेस नगरसेवक हैं। उनके सुरक्षित होने की खबर मिलते ही समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सड़क पर अचानक नीलगाय के आ जाने से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

मुंबई में सड़क पर थूकना पड़ेगा महंगा!

हाईकोर्ट की मुंबई मनपा को फटकार, कहा–थूकना राष्ट्रीय शौक बन गया है, जुर्माना बढ़ाने के निर्देश

■ जब इंदौर सबसे स्वच्छ शहर बन सकता है, तो मुंबई क्यों नहीं?- हाईकोर्ट

मुंबई, (ईएमएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शहर में सार्वजनिक स्थानों पर थूकने और कचरा फैलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मुंबई महानगरपालिका को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने टिप्पणी की कि सार्वजनिक स्थानों पर थूकना अब एक राष्ट्रीय शौक बन गया है और कहा कि इस प्रवृत्ति पर तत्काल प्रभाव से अंकुश लगाया जाना चाहिए। न्यायालय ने मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे को निर्देश दिया कि सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और फुटपाथों पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई को और प्रभावी बनाया जाए। साथ ही संबंधित वार्ड अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और यदि उनके क्षेत्र में लगातार गंदगी पाई जाती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए।

थूकने पर जुर्माना बढ़ाने का सुझाव: सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि वर्तमान में थूकने पर लगाया जाने वाला 250 रुपये का जुर्माना नाकाफी है। न्यायालय ने सुझाव दिया कि इसे बढ़ाकर 2,000 रुपये किया जाना चाहिए, ताकि लोग सार्वजनिक स्थानों पर थूकने और गंदगी फैलाने से बचें।

इंदौर का दिया उदाहरण: बॉम्बे हाईकोर्ट ने देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि प्रशासन में इच्छाशक्ति हो तो सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखना मुश्किल नहीं है। अदालत ने कहा कि बीएमसी जैसी संसाधन-संपन्न संस्था के लिए सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना पूरी तरह संभव है, बशर्ते नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

मोशी हादसे का जिक्र, मुंबई को दी चेतावनी: सुनवाई के दौरान अदालत ने पुणे जिले के मोशी में हाल ही में हुए हादसे का भी उल्लेख किया, जहां 8 जुलाई को भारी बारिश के बाद कचरे का ढेर इमारत पर गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि मुंबई में भी कई जगहों पर कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा हैं और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी दुखद घटना की पुनरावृत्ति मुंबई में न हो।

प्रशासन और नागरिक, दोनों में इच्छाशक्ति की कमी: खंडपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मुंबई में गंदगी की समस्या केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। अदालत के अनुसार, स्थानीय प्रशासन और आम लोगों-दोनों में ही स्वच्छता को लेकर इच्छाशक्ति की कमी दिखाई देती है। इसी कारण सड़कों पर कचरा जमा होता है, जिससे बरसात के दौरान जलभराव और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे पैदा होते हैं। अदालत यह टिप्पणी कांजूरमार्ग स्थित डंपिंग ग्राउंड के आसपास रहने वाले लोगों द्वारा प्रदूषण, दुर्गंध, गैस उत्सर्जन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान कर रही थी।

सीसीटीवी के जरिए हो सख्त कार्रवाई: मनपा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल सखारे ने अदालत को बताया कि महानगरपालिका म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (मैनेजमेंट एंड हैंडलिंग) क्लीनलीनेस एंड सैनिटेशन बाय-लॉज, 2025 को पूरे शहर में सख्ती से लागू करने की योजना बना रही है। इस पर अदालत ने कहा कि इन नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन संबंधित वार्ड अधिकारियों की जिम्मेदारी है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से सार्वजनिक स्थानों पर थूकने और कचरा फेंकने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ जुर्माना और अन्य दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुंबई से अगवा दो नाबालिग बच्चियों को उत्तराखंड से सकुशल छुड़ाया

बहुराज्यीय ऑपरेशन में आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई के बांद्रा इलाके से अपहृत की गई दो नाबालिग बच्चियों को मुंबई पुलिस ने एक बड़े बहुराज्यीय अभियान के तहत उत्तराखंड से सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब अपहरण के पीछे की असली वजह, बच्चियों को राज्य से बाहर ले जाने के उद्देश्य और आरोपी के संभावित नेटवर्क की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार, दोनों बच्चियां बांद्रा स्थित अपने घर के बाहर आंगन में खेल रही थीं, तभी वे अचानक लापता हो गईं। परिवार की शिकायत के बाद बीकेसी पुलिस स्टेशन में अपहरण का मामला दर्ज किया गया और बच्चियों की तलाश के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 11/08/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0004472026
C. M. A. No. 240/2026

Velji Raja & 1 Anr ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 452/2015, dated: 04/06/2015.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 13/07/2026

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 13/08/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0004552026
C. M. A. No. 246/2026

Javar Bai ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 165/1998, dated: 05/05/1968.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 13/07/2026

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 11/08/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0004482026
C. M. A. No. 241/2026

Bhagvan Rama & 1 Anr ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 254/2001, dated: 12/07/2001.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 13/07/2026

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

नीरज कुमार दुबे

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है।

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्स₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।

इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी।

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज

कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है।

देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।

देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुड़े ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संपादकीय

सुनें तार्किक विरोध

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती रही है कि यहां हर अलग राय व असहमति को सम्मान मिला है। निश्चय ही यह दृष्टि लोकतंत्र को मजबूत ही करती है। जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो प्रतिरोध की आवाज को सुनने के लिये नीति-नियंताओं को बड़ा दिल भी दिखाना चाहिए। एक बार फिर इस भावना की परीक्षा तब हो रही है, जब हमारे देश में लाखों बच्चों का भविष्य तय करने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे हैं। परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई- ह्यकॉकरोच जनता पार्टीह्ल के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर-तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं। उनके आंदोलन के मूल में उन लाखों अभिभावकों की फिक्र है, जिनका भरोसा बार-बार पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रियाओं में अनियमितताओं को लेकर डगमगा रहा है। कहना मुश्किल है कि लगाया जा रहा हर आरोप सही ही हो, लेकिन एक बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की कई महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में लोगों का विश्वास कम हुआ है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को पारदर्शी सुधार लाकर और बेहतर जवाबदेही के माध्यम से दरके हुए विश्वास को जल्द बहाल करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से ये लोकतंत्र का तकाजा भी है कि सत्ताधीशों को किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन नागरिकों की बात को भी सुनना चाहिए, जो नीतियों की विसंगतियों को लेकर सवाल उठा रहे हों। यह जानते हुए कि उनकी राजनीतिक दल विशेष से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। निस्संदेह, देश में कोई भी सरकार जनता के अभिभावक के रूप में होती है। वैसे भी किसी शांतिपूर्ण विरोध की लंबे समय तक अनदेखी से आंदोलनकारियों और आम लोगों में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। निस्संदेह, यदि आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल होती है तो इसको उसकी कमजोरी नहीं कहा जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भूख हड़ताल के नैतिक और चिकित्सीय पहलू भी होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आंदोलन कर रहे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करते हुए उसके जीवन की रक्षा करे। वहीं दूसरी ओर किसी भी चिकित्सीय हस्तक्षेप के दौरान कानून और चिकित्सा-संबंधी नैतिक नियमों का पालन किया जाना भी जरूरी है। इस बात में दो राय नहीं है कि मौजूदा गतिरोध से किसी का भी भला नहीं हो सकता। सही मायने में बातचीत की शुरूआत करने के लिये सरकार को हर मांग को पूरा करने की जरूरत भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी बातचीत को सार्थक बनाने के लिये प्रयासरत रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।

संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता 2369?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

उमेश चतुर्वेदी

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है।

नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत

यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है।

इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा। बनारसी दास चतुर्वेदी जनपदीय भाषाओं को बढ़ावा देने के जरिए भाषायी लोकतंत्र की वकालत कर रहे थे। उन्हें पता था कि जनपदीय भाषाओं के आपसी संपर्क और संवाद के लिए हिंदी ही सहयोगी होगी। इसलिए वे जनपदीय भाषाओं के विस्तार के जरिए हिंदी को बढ़ावा दे रहे थे। नेपाल के हिंदी समर्थकों को भी आपसी भाषाओं के बीच कुछ उसी तरह सौहार्द को बढ़ावा देते हुए हिंदी के विकास की बात करनी होगी। इसी बहाने नेपाल में वे हिंदी को प्रतिष्ठापित करने में सफल हो सकेंगे।

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

निर्मल रानी

प्रभु श्री राम मंदिर,अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चौतरफा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने पूरे हिंदू समाज और राम भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस महापाप में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है।

परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफसोसनाक मामले पर भी राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ भटकया जा सके। उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक छोटी सी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ?कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे ठेका ले रखा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना गलत है।

उधर स्वयं को हिंदू रक्षा दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला गाजियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि यह लंगर मुल्लाओं के लिये नहीं। इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित और अजीबोगरीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है? दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है? इस ने तर्क दिया कि राम मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही भक्त हैं। उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुँचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा? उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है? उसके अनुसार जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक नहीं है। चंदा लूट व चोरी को जायज ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफरती शख़्स ने कीं।

इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सजा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव को तो फांसी की सजा होनी चाहिए। जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा,अविनाश शुक्ला,लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि बाकी सबको छह-छह महीने की सजा देकर छोड़ देना चाहिए। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की इस बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सजा देकर रफा दफा करना चाहते हैं।इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि हम(हिन्दू) आपस में निपट लेंगे । विपक्ष के अनुसार भाजपा के गुर्गे मैदान में उतर आए हैं, जो कह रहे हैं कि यह भाजपा, आरएसएस और राम भक्तों का निजी मामला है, उन्होंने

ही चंदा दिया है, उन्होंने ही लिया है और वे आपस में निपट लेंगे। इसमें किसी तीसरे या गैर-हिंदू को बोलने की जरूरत नहीं है। ऐसे लोगों का तर्क है कि चंदा चोरी पर सबसे ज्यादा विपक्ष और गैर-हिंदू नेता छाती पीट रहे हैं। कुछ लोग तो यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि यदि एक हिंदू भाई के पैसे का सुख दूसरा हिंदू भाई ले रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस नैरेटिव की चौतरफा आलोचना हो रही है और मंदिर चंदा लूट को आपसी मामला बताने वाले इन बयानों की केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग द्वारा तीखी निंदा की जा रही है। आलोचकों और आम श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान के घर में चोरी महापाप है। चोर का कोई धर्म या जाति नहीं होती। परन्तु राम मंदिर दान लूट के विषय में उपरोक्त दलीलें सुनकर तो यही लगता है गोया इस शर्मनाक घटना में भी कुतर्कों की इंतेहा कर दी गयी है।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ईयू माइग्रेशन कानून पर विवाद : स्वीडिश सांसद ने डेनिश सांसद के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

स्टॉकहोम, एजेंसी। यूरोपीय संसद में हाल ही में पारित सख्त माइग्रेशन कानून को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। स्वीडन की सांसद आबिर अल-सहलानी ने डेनमार्क के सांसद क्रिस्टोफर स्टॉर्म के खिलाफ कथित नस्लीय टिप्पणी को लेकर स्वीडिश पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस मामले की शिकायत यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेट्सोला से भी की है। यह विवाद पिछले महीने यूरोपीय संसद द्वारा पारित रिटर्न रेगुलेशन के बाद शुरू हुआ। नए कानून के तहत यूरोपीय संघ के सदस्य देशों को अवैध प्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया तेज करने के लिए यूरोपीय संघ के बाहर 'रिटर्न हब' स्थापित करने की अनुमति दी गई है। कानून पारित होने के बाद संसद में 'उन्हें वापस भेजो' जैसे नारे लगे। इराकी मूल की स्वीडिश सांसद आबिर अल-सहलानी ने इन नारों की आलोचना करते हुए कहा कि यह कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति का चिंताजनक उदाहरण है और इस घटना के बाद उन्होंने संसद में खुद को असुरक्षित महसूस किया। इसके जवाब में डेनिश सांसद क्रिस्टोफर स्टॉर्म ने सोशल मीडिया पर 'गो होम' टिप्पणी की। अल-सहलानी ने इसे नस्लीय घृणा फैलाने वाली टिप्पणी बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

चीन में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई : पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई पार्टी से निष्कासित

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई को कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मा पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और रिश्तेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप लगे हैं। मा शिंगरुई को अप्रैल में 'कानून और पार्टी अनुशासन के गंभीर उल्लंघन' के आरोप में जांच के दायरे में लिया गया था। जांच में पाया गया कि उन्होंने अधिकारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में दूसरों को अनुचित लाभ पहुंचाया, अपने प्रभाव का दुरुपयोग किया तथा रिश्तेदारों को बाजार मूल्य से कम कीमत पर संपत्ति खरीदने में मदद की। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, मा ने महंगे उपहार स्वीकार किए और अपने परिवार के सदस्यों को सरकारी प्रभाव का इस्तेमाल कर बड़े आर्थिक लाभ दिलाए। जांच एजेंसियों ने इसे बड़े पैमाने पर 'पारिवारिक भ्रष्टाचार' (फैमिली करप्शन) बताया है। मा शिंगरुई पहले चीन के एयरोस्पेस उद्योग में वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं और उन्होंने देश के कई महत्वपूर्ण अंतरिक्ष कार्यक्रमों की जिम्मेदारी संभाली थी।

पोलैंड की नेता ने 'हिटलर' जेलेंस्की की तस्वीर कूड़ेदान में फेंकी

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड की राजनेता और क्राकोव की मेयर पद की उम्मीदवार मरिआना श्राइबर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की तस्वीर कूड़ेदान में फेंक दी। उन्होंने यूक्रेन पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश नागरिकों के नरसंहार से जुड़े विवादित राष्ट्रवादी संगठनों और नेताओं का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। वीडियो में श्राइबर ने जेलेंस्की की एक तस्वीर दिखाई, जिस पर हिटलर जैसी मूंछ बनाई गई थी। इसके बाद उन्होंने तस्वीर को मोड़कर कूड़ेदान में फेंकते हुए कहा कि 'अपराधियों का महिमामंडन करने वालों की जगह इतिहास के कूड़ेदान में है।' साथ ही आरोप लगाया कि यूक्रेन ने अब तक पोलिश नागरिकों के नरसंहार के लिए औपचारिक माफी नहीं मांगी है। श्राइबर ने यह टिप्पणी 11 जुलाई 1943 की 'ब्लडी संडे' घटना की बरसी पर की। उस दिन यूक्रेनी विद्रोही सेना ने वोल्हीनिया क्षेत्र के पोलिश गांवों पर एक साथ हमले किए थे।

'शेख हसीना लौटें, कानून का सामना करें' : बांग्लादेश सरकार बोली– वापसी का स्वागत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संभावित देश वापसी का स्वागत करते हुए कहा है कि उन्हें अदालत का सामना करना होगा। सरकार का कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और अदालत का फैसला कानून के अनुसार लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री के सूचना एवं रणनीति सलाहकार जाहेद उर रहमान ने मंगलवार को मीडिया से कहा कि सरकार चाहती है कि शेख हसीना देश लौटें ताकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो सके। 78 वर्षीय शेख हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के दौरान सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत आ गई थीं और तब से यहीं रह रही हैं। नवंबर 2024 में ढाका के विशेष न्यायाधिकरण ने छात्र आंदोलन पर कथित दमन और 'मानवता के खिलाफ अपराध' के मामले में उन्हें अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी।

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे, 8 महीने के मिशन पर गए हैं आईएसएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आठ महीने के अपने पहले अंतरिक्ष मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए हैं। वे रूस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से उड़ान भरने के बाद सुरक्षित रूप से आईएसएस पहुंचे, जहां वे वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संबंधी प्रयोगों में हिस्सा लेंगे। कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपण के बाद करीब तीन घंटे और दो ऑर्बिट की यात्रा पूरी कर सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान दोपहर 1:52 बजे (ईडीटी) आईएसएस के प्रिचल मॉड्यूल से जुड़ा। मेनन के साथ रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट पोत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी ऑर्बिटल प्रयोगशाला पहुंचे। इससे पहले तीनों अंतरिक्ष यात्री सुबह 10:47 बजे (ईडीटी) यानी स्थानीय समयानुसार शाम 7:47 बजे बैकोनूर से रवाना हुए थे। उनके आईएसएस पहुंचने के बाद अगले लगभग दो सप्ताह के लिए स्टेशन पर क्रू सदस्यों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

लॉन्च से पहले, मेनन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था, 'यूनाइटेड स्टेट्स स्पेस फोर्स की सेवा करने और नासा तथा हमारे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के समर्थन में आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरने पर गर्व है! उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा, 'कजाकिस्तान से सोयुज एमएस-29 पर लॉन्च होने और नासा तथा एक्सपेडिशन 74/75 के समर्थन में आठ महीने के मिशन की

शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं। नासा कम्युनिटी, दोस्तों, परिवार और प्रियजनों का आभारी हूं और कल के लिए उत्साहित हू। नासा के एस्ट्रोनॉट जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स; यूरोपियन स्पेस एजेंसी की एस्ट्रोनॉट सोफी एडेनोट; और रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट सर्गेई कुड-स्वेरचकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रे फेड्याएव ने नए लोगों का स्वागत किया। इस मिशन को लेकर नासा की ओर से कहा गया कि मेनन, डुब्रोव और किकिना अप्रैल 2027 तक ऑर्बिटल लेबोरेटरी में रहेंगे। यह मेनन की अंतरिक्ष की पहली यात्रा है और डुब्रोव तथा किकिना दोनों के लिए यह दूसरा मिशन है। मिशन के दौरान मेनन वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन से जुड़े कई प्रयोग करेंगे, जिनका उद्देश्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाना है। वे अंतरिक्ष में सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के उत्पादन को बेहतर बनाने संबंधी शोध करेंगे, जिससे हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम और बेहतर मेडिकल डिवाइस के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का बड़े पैमाने पर निर्माण किया जा सकती है। मेनन ऑगमेंटेड रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तरीकों का इस्तेमाल करके अल्ट्रासाउंड भी करेंगे, जिससे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों में पृथ्वी से मेडिकल सपोर्ट की जरूरत खत्म हो सकती है। नासा ने कहा कि मेनन उन स्टडीज में टेस्ट सब्जेक्ट के तौर पर भी काम करेंगे जिनमें यह देखा जाएगा कि अंतरिक्ष में ब्लड फ्लो कैसे बदलता है। साथ ही, वे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने और इलाज के नए तरीकों को विकसित करने के लिए माइक्रोग्रैविटी में बायोप्रिंटिंग वैस्कुलर कंस्ट्रक्ट्स का टेस्ट भी करेंगे।

नासा ने बताया कि ऑर्बिटल आउटपोस्ट पर अपना आठ महीने का साइंस मिशन पूरा करने के बाद विलियम्स, कुड-स्वेरचकोव और मिकाएव के जाने के बाद, 26 जुलाई को 'एक्सपीडिशन 75' शुरू होगा। 25 जुलाई को कमांड सौंपने का समारोह होगा, जिसमें स्टेशन की कमांड कुड-स्वेरचकोव से जेसिका मीर को सौंपी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से लगातार मानव उपस्थिति बनी हुई है। माइक्रोग्रैविटी के कारण यह वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक अनूठी प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है, जहां ऐसे कई प्रयोग संभव हैं जिन्हें पृथ्वी पर करना कठिन या असंभव है। यहां होने वाले अनुसंधान से चिकित्सा, इंजीनियरिंग, जीवविज्ञान और पदार्थ विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रगति होती है तथा चंद्रमा और मंगल पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में भी मदद मिलती है।

पुल, पावर प्लांट सब तबाह कर देंगे, डोनाल्ड ट्रंप की खुली चेतावनी, फिर मच सकता है हाहाकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ सीजफायर अब पूरी तरह टूट चुका है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर समझौता तोड़ने के आरोप लगाए हैं और भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। इस बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान जल्द से जल्द बातचीत की मेज पर नहीं लौटता, तो अगले हफ्ते से अमेरिकी सेना ईरान के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह तबाह कर देगी। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरानियों के पास डील करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

ट्रंप ने ईरान संग तनाव बढ़ने के बाद फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'अगला हफ्ता उनके लिए बहुत बुरा होने वाला है क्योंकि अगले हफ्ते पावर प्लांट्स का नंबर आएगा। अगले हफ्ते पुलों की बारी आएगी। हम उनके सभी पावर प्लांट्स और सभी पुलों को उड़ा देंगे, जब तक कि वे समझौता नहीं कर लेते।' वहीं जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि अमेरिकी सेना का यह अभियान कब तक जारी रहेगा, तो उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा, 'ये हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक मैं यह न कह दूं कि अब बहुत हो गया।' ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के पास समझौता करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

तैनात किए 20 से ज्यादा युद्धपोत तैनात : ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना लगातार चौथे दिन ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि ईरान के सभी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में नाकेबंदी को दोबारा पूरी तरह लागू कर दिया गया है। अमेरिकी सेना ने 20 से अधिक युद्धपोत और सैकड़ों लड़ाकू विमान भी तैनात कर दिए हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका के ऐक्शन पर ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के उप-विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका ने इस्लामाबाद समझौता तोड़ दिया है। गरीबाबादी ने कहा, 'अमेरिका ने फिर से नाकेबंदी लागू करके और शर्तों से पीछे हटकर इस्लामाबाद समझौते को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।' ईरान का साफ कहना है कि अमेरिका की इस आर्थिक और सैन्य नाकेबंदी के दबाव में वे किसी भी तरह की बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटेंगे। ऐसे में वैश्विक तेल और ऊर्जा बाजार पर एक बार फिर भारी संकट मंडराने लगा है। बता दें ईरान और अमेरिका के बीच बीते 28 फरवरी को भीषण जंग शुरू हो गई थी जिसमें हजारों लोग मारे गए। करीब 4 महीनों तक मची तबाही के बाद 17 जून को एक युद्धविराम समझौते पर सहमति बनी थी। इस समझौते के तहत 60 दिनों के लिए हमलों को रोकने पर सहमति बनी। वहीं परमाणु कार्यक्रम सहित अन्य मुद्दों पर आगे की बातचीत शुरू की जानी थी। हालांकि अब बातचीत रद्द कर दी गई है।

ट्रंप का बड़ा बयान : रूस पर नए प्रतिबंधों में ईरान और हिज्बुल्लाह को भी किया जा सकता है शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की ओर से समर्थित उस कानून में रूस पर लगाए जाने वाले कड़े प्रतिबंधों को बढ़ाकर ईरान और हिज़?बुल्लाह को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत और चीन जैसे देशों से जुड़े प्रस्तावों पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। व्हाइट हाउस में इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के साथ बैठक के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस कानून पर हस्ताक्षर करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि सांसद इस प्रतिबंध पैकेज का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम ग्राहम के सम्मान में उठाया जा सकता है, क्योंकि वह रूस के खिलाफ कड़े कदमों के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता है कि लिंडसे इसे बहुत चाहते थे।' उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि वे इसमें ईरान को भी जोड़ सकते हैं। वे ईरान को जोड़ेंगे, जो एक बहुत बड़ा कदम होगा। वे हिज्बुल्लाह को भी इसमें शामिल कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव पर अभी बातचीत चल रही है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने के लिए काफी समर्थन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस पर विचार कर रहे हैं, लेन वे इसे गंभीरता से आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। यह लिंडसे के सम्मान में है, और यह उनका सबसे बड़ा मुद्दा था। वह इसे सी भी दूसरी चीज से ज्यादा चाहते थे। उन्होंने कहा, 'इस बात की अच्छी संभावना है यह हो जाएगा। जब उनसे पूछा गया क्या इस कानून में भारत और चीन जैसे देशों पर लगाए जाने वाले द्वितीयक प्रतिबंध भी शामिल होंगे, तो ट्रंप ने कहा अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, 'अगर यह चीन, भारत और दूसरे देशों पर द्वितीयक प्रतिबंधों की बात है, तो हमें देखना होगा। इस पर अभी चर्चा नहीं हुई है।' यह बयान ट्रंप और इराकी प्रधानमंत्री के बीच इराक, ईरान और मध्य-पूर्व के मुद्दों पर हुई लंबी बातचीत के दौरान आया। ट्रंप ने एक बार फिर कहा क्षेत्र में ईरान का प्रभाव काफी कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है मध्य-पूर्व अब एक साथ आ रहा है।' ट्रंप ने कहा, 'हम मध्य-पूर्व के दबंग को हटा रहे हैं। ईरान मध्य-पूर्व का दबंग था। उसने इराक और हर दूसरे देश को डराया-धमकाया।' उन्होंने आगे कहा अब कोई डर नहीं है।

थाइलैंड में भारतीयों के लिए बिना वीजा के एंट्री जारी, लेकिन एक शर्त; पूरा मामला क्या

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड में भारतीय पासपोर्ट धारकों को बिना वीजा एंट्री मिलती रहेगी। हालांकि इसमें एक बदलाव भी किया गया है। बिना वीजा के भारतीय थाइलैंड में अधिकतम 30 दिन तक ही रुक पाएंगे। यह वजह, थाई सरकार ने एक खास वजह से लिया है। असल में भारतीयों के वीजा-फ्री एंट्री पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव के बाद से भारतीय पर्यटकों की संख्या में काफी ज्यादा गिरावट आई थी। बता दें कि थाइलैंड के लिए भारत एक बड़ा मार्केट है। बड़ी संख्या में भारतीय थाइलैंड घूमने के लिए जाते हैं।

इसलिए लिया गया फैसला : थाइलैंड कैबिनेट ने मंगलवार को अपनी साप्ताहिक बैठक में भारतीय यात्रियों के लिए 30 दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दे दी। पर्यटन मंत्री सुरसक पंचरोएनवोराकुल ने कहाकि इस कदम का उद्देश्य भारतीय पर्यटकों के लिए चीजों को आसान करना है।

इससे देश के पर्यटन उद्योग को भी सपोर्ट मिलेगा। उन्होंने कहाकि इसलिए कैबिनेट ने भारतीय पर्यटकों के लिहाज से 30 दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दी। यह थाइलैंड के लिए एक बड़ा बाजार हैं। साथ ही पर्यटन मंत्री ने यह भी कहाकि अगर भविष्य में इस कदम से कोई समस्या आती है, तो सरकार इसकी समीक्षा कर सकती है।

पहले क्या था प्रावधान : भारतीय यात्रियों को फिलहाल बिना वीजा के थाइलैंड में 60 दिनों तक रहने की अनुमति है। लेकिन मई में थाई कैबिनेट द्वारा वीजा-मुक्त देशों की सूची को 93 से घटाकर 54 करने और 30 दिन की अवधि तय करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद यह पॉलिसी खत्म होने वाली थी। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है। पर्यटन मंत्री के अनुसार, इस घोषणा ने भारतीय यात्रियों के बीच भ्रम पैदा कर दिया और यहां से थाइलैंड आने वालों की संख्या काफी कम हो गई। भारत इस साल चीन और मलेशिया के बाद थाईलैंड के लिए तीसरा सबसे बड़ा टूरिस्ट सोर्स है।

कुछ अन्य देशों को भी छूट : भारत के साथ-साथ, थाइलैंड ने क्रोएशिया, बुल्गारिया, साइप्रस, माल्टा और मालदीव के यात्रियों के लिए भी 30-दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दी है। यह जानकारी डिप्टी सरकारी प्रवक्ता प्लॉयटाले लक्समीसांगचन ने दी। इस नए फैसले के बाद 30-दिन की वीजा-फ्री एंट्री के लिए योग्य देशों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इसमें सभी 27 यूरोपीय संघ के सदस्य देश भी शामिल हैं।

क्यों बदल रहे वीजा पॉलिसी : वीजा नीति में बदलाव ऐसे समय में आ रहे हैं जब प्रधानमंत्री अनुतिन चर्णविराकुल की सरकार उन विदेशी देशों पर कड़ी निगरानी रखना चाहती है जिन पर थाइलैंड के वीजा-फ्री सिस्टम का गलत तरीके से इस्तेमाल करके गैरकानूनी गतिविधियां करने का आरोप है।

चुनाव से पहले सुलगा पीओके: मुजफ्फराबाद कूच से पहले पुलिस की गोली से नौ मरे, खूनी झड़प के बाद राजधानी की घेराबंदी

मुजफ्फराबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान सरकार के खिलाफ चल रहा आंदोलन, जन आक्रोश में बदल गया है। ज्वॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बुधवार को प्रस्तावित मुजफ्फराबाद मार्च से पहले पूंछ डिवीजन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस एवं पाकिस्तान रेंजर्स की रातभर हुई हिंसक झड़पों में नौ लोगों की मौत हो गई।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ा : इस हिंसा में पाकिस्तान रेंजर्स के दो जवानों की भी मौत हुई है। घटना को लेकर प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के दावे अलग-अलग हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। हजारों प्रदर्शनकारी आज रावलकोट, मीरपुर, कोटली, बाग और अन्य जिलों से मुजफ्फराबाद की ओर कूच करेंगे, जबकि पाकिस्तान प्रशासन ने राजधानी मुजफ्फराबाद में अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा तैनात कर दिया है। पीओके के गृह सचिव चौधरी गुफ्तार हुसैन के हवाले से पाकिस्तानी अखबार डॉन ने खबर दी है कि प्रशासन किसी दबाव में नहीं आएगा और जेएएसी के आंदोलन को निर्ममता से कुचल दिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार सुधनोती जिले के बलोच इलाके में सुरक्षाबलों के काफिले पर पहले प्रदर्शनकारियों ने फायरिंग की, जिसमें रेंजर्स के एक जवान की मौत हुई। वहीं जेएएसी समर्थकों का आरोप है कि गोलीबारी की शुरुआत सुरक्षाबलों ने की। सुरक्षा काफिला कोटली सरसावा से बलोच की ओर बढ़ रहा था, तभी सारन और बलोच गांवों के पास ग्रामीणों ने उसका रास्ता रोक दिया और इसके बाद हिंसक टकराव शुरू हो गया। मार्च से पहले पूरे क्षेत्र में आंदोलन तेज हो गया है। आठ जिलों में बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। रावलकोट के बाहरी इलाके में हजारों समर्थक कई दिनों से डेरा डाले हुए हैं। पूरा घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है जब 27 जुलाई को पीओके की 45 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान होना है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले भड़का यह आंदोलन पाकिस्तान सरकार के लिए हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आंतरिक चुनौती बन गया है।

12 आरक्षित सीटों को लेकर भड़के लोग : जेएएसी की सबसे प्रमुख मांग विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की है। संगठन का आरोप है कि इन सीटों के जरिये पाकिस्तान की मुख्यधारा की पार्टियां उन लोगों के वोट से मुजफ्फराबाद में सरकार बनवाती हैं जो पीओके में रहते ही नहीं हैं। जून में पीओके के सुप्रीम कोर्ट ने इन सीटों को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त बताते हुए कहा था कि इन्हें केवल विधायी संशोधन के जरिये ही बदला जा सकता है। अदालत के इस फैसले के बाद आंदोलन और भड़क गया।

यूएन में भारत की दो-टूक: 80 साल पुरानी व्यवस्था बदलने की उठाई मांग, कहा- सुरक्षा परिषद में अब सुधार जरूरी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। भारत ने मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में व्यापक सुधारों के लिए अपनी मांग दोहराई। इसके साथ ही बहुपक्षवाद को भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार, महासभा को पुनर्जीवित करने और आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) की भूमिका को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

राजदूत हरीश परवथानेनी ने क्या कहा : भविष्य के लिए समझौते की समीक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनौपचारिक बैठक के दौरान बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाना' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथानेनी ने कहा, 'भारत के लिए, बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाने की शुरुआत यह सुनिश्चित करने से होती है कि वैश्विक संस्थाएं समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने आगे कहा कि यह सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, महासभा के पुनरुद्धार और आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय तीनों आयामों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में ईसीओएसओसी की मजबूत भूमिका की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।'

संघर्षों को लेकर क्या कहा : उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के बारे में जनता की धारणा हाल के दिनों में प्रतिकूल रूप से बदल गई है, जिसका मुख्य कारण विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों में सुरक्षा परिषद की सार्थक हस्तक्षेप करने में असमर्थता है। सुरक्षा परिषद प्रभावित आबादी के बीच मानवीय पीड़ा को समाप्त करने में अप्रभावी रही है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मूल सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सवालों के घेरे में आ गया है।'

परिषद की कमियां का क्या कारण : उन्होंने तर्क दिया कि परिषद की कमियां इसकी पुरानी संरचना के कारण हैं। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा परिषद की कमियों का मूल कारण स्पष्ट है। 1940 के दशक के लिए बनाई गई अस्सी साल पुरानी संरचना समकालीन चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ है। एक संगठन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार लाने में कोई खास प्रगति नहीं कर पाया है। अब तक की चर्चाएं आईएनजी ढांचे के तहत तैयार बयानों के अंतहीन चक्र तक ही सीमित रही हैं। कार्रवाई बिंदु 39 से 41 काफी हद तक कागजों पर ही रह गए हैं। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है और इसमें बदलाव होना चाहिए। भविष्य के समझौते का जिक्र करते हुए भारतीय राजदूत ने कहा कि अंतर-सरकारी वार्ताओं (आईजीएन) के कार्य बिंदुओं का मसौदा समझौते के सह-सुविधाकर्ताओं के बजाय तत्कालीन आईजीएन सह-अध्यक्षों द्वारा तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को उन प्रावधानों पर महत्वपूर्ण आपत्तियां हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक भावना से समझौते का समर्थन करता है।

ईरान के आईआरजीसी ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने 'ऑपरेशन नस्र 2' के तीसरे चरण के दौरान बहरीन और कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर हमले किए. ये अटैक तेहरान पर हालिया अमेरिकी हमलों का बदला था. आईआरजीसी के एक बयान और ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, इस ऑपरेशन में बहरीन और कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए. आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नेवी और एयरोस्पेस फोर्सेज ने बहरीन में शेख ईसा एयर बेस पर कई हथियार और इक्विपमेंट स्टोरेज शेड, साथ ही अमेरिकी जहाजों और एयरक्राफ्ट के पार्ट्स को निशाना बनाया. इसमें आगे कहा गया कि ऑपरेशन ने कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस पर एमक्यू-9 ड्रोन की तैनाती के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रैंप पर हमला किया, जिससे कई ड्रोन नष्ट हो गए. बयान में कहा गया, 'ऑपरेशन नस्र 2 की तीसरी लहर में आईआरजीसी नेवी और एयरोस्पेस फोर्सेज के बहादुर योद्धाओं ने कुछ घंटे पहले बहरीन में शेख ईसा बेस पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन के दौरान दुश्मन के जहाजों और एयरक्राफ्ट के लिए कई हथियार और पार्ट्स स्टोरेज शेड को नष्ट कर दिया.' इसमें आगे कहा गया, 'उन्होंने कुवैत में अली सलेम बेस पर दुश्मन के एमक्यू-9 ड्रोन की तैनाती के रैंप पर भी हमला किया, जिससे कई ड्रोन नष्ट हो गए या उन्हें नुकसान पहुंचा.' बयान के मुताबिक ये हमले आईआरजीसी के बताए अनुसार दिन में पहले ईरान के कई तटीय मिलिट्री ठिकानों पर अमेरिकी मिलिट्री हमलों के जवाब में किए गए थे. बयान में कहा गया, 'जब तक अमेरिका के जुर्म जारी रहेंगे, हमलावरों पर जवाबी कार्रवाई और सजा जारी रहेगी, और अगर ये हमले दोबारा हुए, तो उन्हें हैरान करने वाले जवाब

मिलेंगे.' आईआरजीसी ने यह भी चेतावनी दी कि इस इलाके में अमेरिकी मिलिट्री कार्रवाई जारी रहने से एनर्जी एक्सपोर्ट पर असर पड़ेगा, यह दावा करते हुए कि 'जब तक इस इलाके में अमेरिका की बुराइयां मौजूद हैं, तब तक इस इलाके से तेल या गैस की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी. साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने में सिर्फ देरी होगी.' दिन में पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि अमेरिकी सेना ने 13 जुलाई को रात 10:15 बजे ईस्टर्न टाइम पर ईरानी मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर पर कोऑर्डिनेटेड हमलों की एक और सीरीज पूरी कर ली है. मिलिट्री कमांड के मुताबिक पांच घंटे के ऑपरेशन में बुशहर, चाह बहार, जस्क, कोनारक, अबू मूसा और बंदर अब्बास में ईरान के दक्षिणी तट पर मौजूद खास ठिकानों को निशाना बनाया गया. सेंटकॉम ने कहा कि ईरानी कोस्टल डिफेंस सिस्टम, मिसाइल लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर, ड्रोन पोजीशन और नौसैनिक क्षमताओं को बेअसर करने के लिए प्रिसिजन-गाइडेड हथियार तैनात किए गए थे. अमेरिकी मिशन का बताया गया मकसद होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल शिपिंग लेन को खतरे में डालने की तेहरान की क्षमता को सिस्टमैटिक तरीके से कम करना है. ये दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री ट्रेड कॉरिडोर में से एक है. अमेरिकी मिलिट्री ने बताया कि मिडिल ईस्ट में 50,000 से ज़्यादा अमेरिकी सर्विस मेंबर अभी भी तैनात हैं. इससे इस बात पर जोर दिया गया कि सेना लड़ाई के लिए तैयार है. हाल की बातचीत से पता चलता है कि पश्चिम एशिया में लड़ाई बहुत ज़्यादा बढ़ गई है, जो ईरान के अंदर टारगेटेड अमेरिकी हमलों से बढ़कर खाड़ी के पार मौजूद अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर सीधे जवाबी हमलों तक पहुँच गई है।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत ने बुडापेस्ट में जीता गोल्ड

प्लेऑफ में अजरबैजानी पहलवान को हरा दीपक ने नाम किया कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर फिर अपना दम दिखाया है। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने हंगरी की राजधानी में बुडापेस्ट में आयोजित पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस एंड कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया।

अमन सहरावत ने फाइनल में जॉर्जिया के रोबेर्टी डिंगाशविली को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-3 से हराया। भारतीय दल के पदकों की संख्या तब बढ़ गई जब दीपक ने 61 किग्रा फ्रीस्टाइल में कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। दीपक ने प्लेऑफ में अजरबैजान के नुरद्दीन नोवरुजोव को 9-8 से हराया। दीपक के अलावा विशाल कालीरमाना (पुरुष 65 किग्रा) ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों की संख्या तीन कर दी।

अप्रैल में एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपने पहले इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे अमन सहरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन सहरावत पेरिस 2024 में भारत के सबसे युवा ओलंपिक मेडलिस्ट बने थे।

4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं

22 साल के अमन सहरावत ने जॉर्जिया के निकोलोज बोचोरिशविली के खिलाफ 10-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल कर अपने अभियान की शुरुआत की। क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के ओलंपियन मीरामबेक कार्तबे को 10-3 से हराया। सेमीफाइनल में अजरबैजान के मौजूदा यूरोपियन चैंपियन इस्लाम बाजारगानोव को 11-0 से हराया। इस तरह अमन ने 4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं।

दीपक ने 0-8 से पिछड़ने के बाद 9-8 से जीता मुकाबला

इस बीच दीपक ने कांस्य पदक मुकाबले में अजरबैजानी पहलवान नुराद्दीन नोवरुजोव के खिलाफ 0-8 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और 9-8 से रोमांचक जीत हासिल की। इससे पहले भारतीय पहलवान क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के रामिज तुर्मानिद्जे को 7-4 से हराने के बाद सेमी-फाइनल में कजाकिस्तान के असिल ऐताकिन से 2-1 से हार गए थे। विशाल कालीरमाना ने कजाकिस्तान के ओसुमजान दस्तानबेक को 8-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। वह सेमीफाइनल में ईरान के अहमद इब्राहिमजादेह से क्राइटेरिया के आधार पर हार गए थे।

राहुल क्वार्टर फाइनल में हारे, अभिमन्यु नहीं कर पाए क्वालिफाई

राहुल 57 किग्रा भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गए, जबकि एशियन चैंपियन अभिमन्यु मंडवाल पुरुषों के फ्रीस्टाइल 70 किग्रा भारवर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में ही बाहर हो गए। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले पहलवान सागर जगलान (74 किग्रा) और मुकुल दहिया (86 किग्रा), साथ ही अमित (86 किग्रा) अपने-अपने भार वर्ग में पोडियम फिनिश (पदक नहीं जीतना) नहीं कर पाए।

पोलार्ड अब गेल की लिस्ट में शामिल

T20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-10 बैटर, सिर्फ एक भारतीय सूची में शामिल

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान किरोन पोलार्ड ने बेहद तेज पारी खेली और वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 8 छक्के और एक चौके की मदद से 64 रन बनाए। ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 70वां अर्धशतक था साथ ही इन 8 छक्कों के दम पर किरोन पोलार्ड ने अब क्रिस गेल की खास लिस्ट में भी जगह बना ली।

किरोन पोलार्ड ने टी20 में पूरे किए 1000 छक्के- किरोन पोलार्ड अब टी20 प्रारूप में 1000 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में पहले अकेले सिर्फ क्रिस गेल ही थे, लेकिन अब पोलार्ड ने उन्हें ज्वाइन कर लिया है। क्रिस गेल ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में खेले 463 मैचों की 455 पारियों में कुल 1056 छक्के लगाए थे। वहीं पोलार्ड की बात करें तो वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 746 मैचों की 663 पारियों में कुल 1001 छक्के लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आंद्र रसेल हैं जिन्होंने 600 मैचों की 517 पारियों में 792 छक्के लगाए थे। वहीं निकोलस पूरन इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा- राहुल द्रविड़ नंबर 5

टॉप पर रहे ये दोनों; आकाश चोपड़ा ने चुनी 6 बेस्ट कप्तान-कोच की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कप्तान-कोच की बेस्ट टॉप-6 जोड़ियों का चयन किया। उन्होंने इनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग की, लेकिन पहले नंबर पर उन्होंने किसी भारतीय कोच या कप्तान की जोड़ी को नहीं रखा। हालांकि टॉप-6 में उन्होंने 3 भारतीय

जोड़ी को जरूर जगह दी। इन जोड़ियों में रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़, विराट कोहली-रवि शास्त्री, सौरव गांगुली और जॉन राइट भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि आकाश चोपड़ा ने किस जोड़ी को किस स्थान पर रखा।

रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ रहे पांचवें स्थान पर- आकाश चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर दुनिया की बेस्ट टॉप-6 कोच-कप्तान की जोड़ी के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी लिस्ट में छठे नंबर पर बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैकुलम हैं जिन्होंने बैजबॉल क्रिकेट खेली। ये मनोरंजक तो था, लेकिन इससे रिजल्ट अच्छे नहीं आ पाए। ऐसे में जब परिणाम नहीं है तो ये फिर क्या ही आपकी साझेदारी का प्रमाण है। आकाश ने नंबर 5 पर रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को रखा। रोहित और राहुल के बारे में आकाश ने कहा कि इनकी साझेदारी काफी अच्छी रही और इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप टाइटल भी जीता।

अर्जेंटीना फाइनल में

इंग्लैंड को 2-1 से हराया

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड मारादोना की बराबरी की

नई दिल्ली। अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 2-1 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। अब फाइनल में उनका मुकाबला स्पेन से होगा जहां वे अपना खिताब बचाने और ऐसा करने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेंगे। अर्जेंटीना की इस जीत में लियोनेल मेसी एक बार फिर अहम भूमिका में रहे उन्होंने अपनी टीम के उन दोनों गोलों में असिस्ट किया जो एंजो फर्नांडीज और लॉटारो मार्टिनेज ने किए थे।

मेसी ने की मारादोना की बराबरी

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी लियोनेल मेसी सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने और सेमीफाइनल मुकाबला खेलने वाले 39 साल से ज्यादा उम्र के पहले आउटफील्ड खिलाड़ी बने। उन्होंने वेस्ट जर्मनी के फ्रिट्ज वाल्टर का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल और 236 दिन की उम्र में 1958 का फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल खेला था। लियोनेल मेसी डिएगो मारादोना (1986, 1990) के बाद अपनी टीम को लगातार दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान भी बन गए।

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड

फाइनल में पहुंचने के साथ ही मेसी ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। 39 साल 25 दिन की उम्र में लियोनेल मेसी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के गुन्नार ग्रेन का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल 241 दिन की उम्र में इटली के खिलाफ 1958 का वर्ल्ड कप फाइनल खेला था। इस तरह मेसी 39 साल की उम्र के बाद फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

प्लेयर	देश	उम्र	साल
लियोनेल मेसी	अर्जेंटीना	39 साल 25 दिन	2026
गुन्नार ग्रेन	स्वीडन	37 साल 241 दिन	1958
निल्टन सैंटोस	ब्राजील	37 साल 32 दिन	1962
ओलिवियर गिरौड	फ्रांस	36 साल 79 दिन	2022
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	36 साल 34 दिन	2014
निल्स लीडहोम	स्वीडन	35 साल 264 दिन	1958

वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड एक साथ टूटा

- निकोलस पूरन ने ठोका तूफानी शतक, लगाए 13 छक्के 5 चौके

नई दिल्ली। एमआई न्यूयॉर्क के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ तूफानी शतकीय पारी खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। पूरन ने इस मैच में अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इन तीनों दिग्गजों से टी20 क्रिकेट में कम गेंदों पर शतक लगाने के मामले में आगे निकल गए।

निकोलस पूरन ने तोड़ा वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड- निकोलस पूरन ने एमआई न्यूयॉर्क के लिए तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इस मैच में 33 गेंदों पर 106 रन की पारी खेली। पूरन ने अपनी पारी के दौरान 13 छक्के और 5 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 321.21 का रहा। पूरन की इस पारी के दम पर इस टीम ने वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

पीवी सिंधु ने सिर्फ 35 मिनट में दुनिया की 5वें नंबर की शटलर को हराया

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार 16 जुलाई 2026 को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पीवी सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू को हराया। पीवी सिंधु की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग (विमेंस सिंगल्स) में 10 है।

भारतीय शटलर ने दूसरे दौर के मुकाबले में बेहतर रैंकिंग वाली चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 21-16, 21-14 से शानदार जीत दर्ज करने में सिर्फ 35 मिनट का समय लिया। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु को कोई वरीयता नहीं दी गई है। यह नतीजा इस सीजन में पीवी सिंधु के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने शुरुआती चुनौती निपटते हुए चीनी खिलाड़ी पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया।

पीवी सिंधु ने धीरे-धीरे बनाया दबदबा- शुरुआत में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि हान यू खेल की गति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पीवी सिंधु धीरे-धीरे मैच में जम गईं।

- अब जापानी शटलर से होगी पीवी सिंधु की भिड़ंत- पीवी सिंधु ने अपनी सटीकता और कोर्ट कवरेज बनाए रखी और अंततः 21-14 से जीतकर शानदार विजय हासिल की। इस जीत के साथ पीवी सिंधु ने हान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। 31 वर्षीय पीवी सिंधु का अगला मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा से होगा। नोजोमी ओकुहारा को साउथ कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग के दूसरे दौर के मैच से हटने के बाद वॉकओवर मिला। टूर्नामेंट अन्य भारतीय शटलरों की बात करें तो मिक्स्ड डबल्स में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड की जूली मैकफर्सन और एलेक्जेंडर डन को सिर्फ 38 मिनट में 21-16, 21-14 से हराया था। राउंड ऑफ 16 में तनीषा और ध्रुव का चीन की हुआंग डोंग पिंग और फेंग यान झी से मुकाबला हुआ।

स्मिथ-गौस के शतक से जीता वाशिंगटन फ्रीडम

टूटा पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड; पूरन-पोलार्ड की पारी बेकार, MI न्यूयॉर्क बाहर

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 का एलिमिनेटर मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने कप्तान स्टीव स्मिथ और एंड्रिस गौस की शतकीय पारी के दम पर एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हरा दिया और चैलेंजर राउंड में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स से होगा।

इस मैच में जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया और पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड टूट गया। वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया काफी रोमांचक और हाई स्कोरिंग रहा। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

स्टीव स्मिथ और गौस ने लगाए शतक

वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 267 रन का टारगेट मिला था जो काफी मुश्किल था, लेकिन इस टीम के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 48 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों के साथ नाबाद 110 रन की पारी खेली। स्मिथ ने अपना शतक इस दौरान 40 गेंदों पर पूरा किया। वहीं एंड्रिस गौस ने 12 छक्के और 10 चौकों की मदद से 51 गेंदों पर 132 रन की पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। स्मिथ और गौस के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 गेंदों पर 241 रन की साझेदारी भी हुई। एमआई न्यूयॉर्क के लिए शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

लक्ष्य ने श्रीलंका के खिलाफ लगाया दोहरा शतक

295 रन की साझेदारी कर तोड़ा 29 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। श्रीलंका अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में इंडिया अंडर 19 टीम के ओपनर बल्लेबाज लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने गजब का पारी खेली और दोहरा शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में सागर विर्क के साथ पहले विकेट के लिए 295 रन की साझेदारी की और 29 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा जो यूथ टेस्ट में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने बनाए थे। हालांकि लक्ष्य और सागर, गौतम गंभीर और विनायक माने से आगे नहीं निकल पाए।

लक्ष्य ने लगाया दोहरा शतक- लक्ष्य ने इस मैच में गजब की पारी खेली और इंडिया अंडर 19 की पारी को संभालने का काम किया। उन्होंने अपना शतक पहली पारी में 148 गेंदों पर चौका लगाकर पूरा किया जबकि उन्होंने अपना दोहरा शतक 310 गेंदों पर लगाया। हालांकि दोहरा शतक पूरा करने के बाद वो ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाए और आउट हो गए। पहली पारी में उन्होंने 324 गेंदों पर 207 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से 3 छक्के और 22 चौके भी

अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर वेदांग रैना का बड़ा खुलासा

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आखिरी रिलीज फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म में वेदांग के अभिनय को भी काफी पसंद किया गया है। इसके साथ ही उनके रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हर कोई ये जानना चाहता है कि वेदांग सिंगल हैं या रिलेशनशिप में हैं। अब खुद वेदांग ने बताया है कि वो सिंगल हैं या नहीं?

सिंगल हैं वेदांग रैना

हाल ही में एचटी सिटी के साथ बातचीत में वेदांग रैना ने कंफर्म किया कि वो इन दिनों सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'अभी मैं सिंगल हूं।' हालांकि, इससे पहले उनका नाम एक्ट्रेस खुशी कपूर के साथ जोड़ा जा रहा था। लेकिन अब एक्टर के खुद को सिंगल बताने के बाद दोनों के ब्रेकअप को लेकर पुष्टि होती है। इस दौरान वेदांग ने ये भी बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति में सबसे पसंद दयालुता आती है। एक्टर का कहना है कि और भी खूबियां हैं, लेकिन अगर आप दयालु नहीं हैं, तो बाकी सब बेकार है।

अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं

वेदांग अभी भी अपनी हालिया रिलीज फिल्म के शानदार सफर को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सब बहुत जबरदस्त रहा है। शुरुआती कुछ दिनों में तो बहुत कुछ हो रहा था। फिल्म के बारे में बहुत सी बातें कही जा रही थीं और अब इसे क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही बहुत प्यार मिल रहा है। जिन स्क्रीनिंग में हम गए, मैंने ऐसे रिएक्शन कभी नहीं देखे। मुझे लगा कि इसका कुछ तो असर जरूर होगा। फिल्म के शुरुआती बॉक्स-ऑफिस पर खराब प्रदर्शन से वे निराश हो गए थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत निराशाजनक था। फिर हालात बदले। मुझे लगता है कि इसी वजह से यह पूरी बात और भी खास हो जाती है। ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां ऐसा हुआ हो। मेरा यह भरोसा फिर से कायम हो गया कि अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं।

कृष्णावतारम सिर्फ फिल्म नहीं मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट है...

निर्देशक हार्दिक गज्जर की 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म भारत में 50 दिनों तक सिनेमाघरों में बनी रही और करीब 40 करोड़ रुपए का कारोबार किया। फिल्म के भव्य विजुअल्स, भव्यता कहानी और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों के साथ सत्यभामा का किरदार भी दर्शकों को पसंद आया। यह भूमिका निभाने वाली संस्कृति जयना की पहली फिल्म है। खास बातचीत में उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म और सफर पर खुलकर बात की।

पहली फिल्म ने बदली जिंदगी

संस्कृति ने कहा... 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' की रिलीज के बाद मुझे जितना प्यार मिला है, वह मेरी कल्पना से कहीं अधिक है। कई लोगों ने सिर्फ मेरे अभिनय की ही नहीं, बल्कि सत्यभामा, श्रीकृष्ण, राधा और रुक्मिणी जैसे दिव्य पात्रों के प्रति अपनी आस्था और भावनात्मक जुड़ाव भी साझा किया। मेरे लिए बड़ी बात यह है कि मैं मैं इन पात्रों तक दर्शकों की भावनाएं पहुंचाने का सिर्फ एक माध्यम बन सकी। यही मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है। पहली ही फिल्म की सफलता ने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी है। एक नए कलाकार के रूप में जिस तरह का प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता मिली, उसने मुझे भावुक कर दिया। जब लोग मेरे निभाए किरदार को दिल से अपनाते हैं, तो लगता है कि मेरी मेहनत सफल हुई है। मेरे लिए यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा उपहार है।'

असली सेट्स ने बढ़ाया फिल्म का भव्यपन

उन्होंने कहा... 'लोग फिल्म के वीएफएक्स की काफी तारीफ कर रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका बड़ा हिस्सा वास्तविक सेट्स पर शूट किया गया है। हमारे लिए वृंदावन का पूरा गांव बनाया गया था और द्वारका का भी बेहद विशाल सेट तैयार किया गया था। बाद में वीएफएक्स की मदद से इन सेट्स का विस्तार किया गया।

आध्यात्मिक तैयारी की.....

उन्होंने आगे कहा... 'सत्यभामा का किरदार निभाने के लिए मैंने सिर्फ अभिनय की तैयारी नहीं की, बल्कि खुद को आध्यात्मिक रूप से भी तैयार किया। मैंने सत्यभामा से जुड़ी कई किताबें पढ़ीं और जिस पुस्तक पर यह फिल्म आधारित है, उसका भी गहराई से अध्ययन किया। इसके अलावा भगवद्गीता और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े कई ग्रंथ पढ़े।'

आकांक्षा चमोला को लेकर रुबिना दिलैक का नया खुलासा

रुबिना दिलैक और आकांक्षा चमोला एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। इनका कई बार मिलना भी हुआ। एक बातचीत में रुबिना को आकांक्षा ने कहा था कि उसे बच्चे नहीं चाहिए क्योंकि उसके लिए उसका डॉग ही बच्चे जैसा है। यह बात सुनकर रुबिना थोड़ी चौंक गई थीं, क्योंकि वह उस वक्त गर्भवती थीं। रुबिना ने यह बातें अपने नए टॉक शो में कही हैं। इस टॉक शो में हिना खान भी नजर आ रही हैं। आकांक्षा के बारे में हुए इस खुलासे पर उन्होंने भी रिएक्शन दिया है।

टॉक शो में रुबिना ने जब आकांक्षा चमोला का बच्चों को लेकर नजरिया बताया तो हिना खान ने कहा, 'हां, कई लोग बच्चों से ज्यादा प्यार डॉग्स से करते हैं। यह तो बहुत बड़ी डिबेट है।' इस पर हिना के पति रॉकी कहते हैं कि यह कोई बड़ी डिबेट नहीं है, इंसानी बच्चे की तुलना आप जानवर के बच्चे से नहीं कर सकते हो।' यही बात रुबिना के पति अभिनव भी कहते हैं।

क्या है रुबिना और हिना के शो का कॉन्सेप्ट?

हाल ही में टीवी सेलेब्स से जुड़ी कुछ कंट्रोवर्सीज पर रुबिना दिलैक और हिना खान ने एक नया टॉक शो शुरू किया। इसमें रुबिना और हिना खान के पति भी शामिल होते हैं। इस शो में सबसे पहले इन चारों ने आकांक्षा चमोला को लेकर बातचीत की, क्योंकि इन दिनों वह कंट्रोवर्सी से घिरी हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई पैपराजी को फटकार

रविवार को सोनाक्षी मुंबई में नवविवाहित आकांक्षा रंजन और डायरेक्टर शरण शर्मा की वेडिंग रिसेप्शन में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, लेकिन एक खास वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया। वीडियो में जब सोनाक्षी रिसेप्शन से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रही थीं, तब पैपराजी लगातार उनकी फोटो और वीडियो ले रहे थे। इस पर सोनाक्षी ने कार में बैठने से मना कर दिया और वहीं खड़ी रहीं। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी ने पैपराजी को लेकर नाराजगी जताई हो। कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाई थी, जब वे उनके माता-पिता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा के बहुत करीब आ गए थे और उन्हें कार में बैठने की जगह नहीं दे रहे थे। उस समय सोनाक्षी अपने पति जहीर इकबाल और माता-पिता के साथ डिनर के बाद बाहर निकली थीं।

हॉलीवुड एक्टर की अधूरी ख्वाहिश पर बोले शेखर कपूर

क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' का दर्शकों के बीच बेसब्री से इंतजार है। भारतीय दर्शकों में भी इस फिल्म के लिए उत्साह है। इसी के चलते क्रिस्टोफर फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में मुंबई आए। बीते दिन फिल्म का मुंबई में प्रीमियर हुआ। इस दौरान क्रिस्टोफर नोलन, प्रोड्यूसर एमा थॉमस और एक्टर मैट डेमन व टॉम हॉलैंड मौजूद रहे। सभी ने मीडिया से बात की। इस दौरान मैट डेमन ने भारतीय फिल्ममेकर शेखर कपूर के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। शेखर ने अब इस पर रिएक्शन दिया है।

शेखर कपूर ने क्या कहा?

डैमन की बात सुनकर शेखर कपूर ने भी ऑस्कर विजेता इस एक्टर की उतनी ही तारीफ करते हुए जवाब दिया। डैमन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कोई ऐसा फिल्ममेकर होगा, जो मैट डैमन जैसे इमोशनल गहराई वाले एक्टर के साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार न हो। 'गुड विल हंटिंग' फिल्म में रॉबिन विलियम्स के साथ उनका मशहूर सीन- 'इट्स नॉट योर फॉल्ट' भला कौन भूल सकता है'? शेखर कपूर ने एनडीटीवी से बात करते हुए कहा, 'मैंने इसे शायद 1000 से ज्यादा बार देखा होगा और हर बार मेरी आंखों में आंसू आ गए। घटनाएं अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच घूमती रहती हैं, जबकि समय हमारी कल्पना में बनता है। इसलिए अब समय आ गया है कि मैट और मैं साथ मिलकर काम करें'।

मैट डेमन ने क्या कहा?

बता दें कि फिल्म 'द ओडिसी' के मुंबई प्रीमियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मैट डेमन से पूछा गया कि अगर उन्हें किसी भारतीय फिल्मकार के साथ काम करने का मौका मिले, तो वह किसे चुनेंगे? तो उन्होंने बिना देर किए शेखर कपूर का नाम लिया। मैट डेमन ने कहा, 'करियर की शुरुआत में जिस फिल्मकार के साथ हर कोई काम करना चाहता था, उनमें शेखर कपूर सबसे ऊपर थे। मुझे याद है कि मैं उनकी फिल्म 'द फोर फेदर्स' नहीं कर पाया था। उसे लेकर बहुत निराश था, क्योंकि उस समय मैंने 'बॉर्न' फिल्म साइन कर ली थी। इसलिए शेखर कपूर हमेशा मेरी सूची में रहे हैं'। अमेरिकी फिल्म 'द ओडिसी' में मैट डेमन, इथाका के पौराणिक राजा ओडिसियस की भूमिका में हैं।

स्टार्स की कीमत जनता और प्रोड्यूसर्स बढ़ाते हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर में शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

श्रेयस तलपड़े के हार्ट अटैक का सदमा

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

रवीना और अक्षय के सीन्स पर बोले

रवीना टंडन और अक्षय कुमार के साथ वाले चर्चित दृश्यों पर वह मुस्कुराते हुए बोले, 'अक्षय और रवीना दोनों ही मेरे दोस्त हैं। मगर आज हमारी शादियां हो चुकी हैं, बच्चे बड़े हो चुके हैं। दोनों ने पूरी तरह किरदार निभाया। हमें पता था कि दर्शक इस सीन को अपने तरीके से देखेंगे और मजा लेंगे। (एक जमाने में अक्षय कुमार और रवीना टंडन की अफेयर की खबरें थीं) वही हुआ। सेट पर जैकलीन फर्नांडिस और दिशा पत्नी के बीच कभी कोई कैट फाइट्स नहीं हुई। उल्टा वो दोनों शूटिंग के बाद डिनर पर जाया करती थीं। मगर हां, उस समय हम बहुत ज्यादा चिंतित हो गए थे, जब श्रेयस को शूटिंग के पहले शेड्यूल में ही हार्ट अटैक आ गया था। उनका स्टेंट डाला गया। हमारे लिए वह बहुत बड़ा झटका था, क्योंकि अगले महीने फिर शूटिंग शुरू करनी थी। ऐसे समय पर बहुत टेंशन हो गई थी।'

नए कलाकार भी स्टार्स बन कर मोटी फीस लेते हैं

बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन को लेकर लगातार चर्चाएं चलती रहती हैं। इंडस्ट्री इस बात को लेकर चिंतित है कि फिल्में मनचाही कमाई नहीं कर पा रही हैं। मगर अहमद खान की 'वेलकम टू द जंगल' वर्ल्डवाइड पौने दो सौ करोड़ का बिजनेस कर चुकी है। अहमद समझाते हुए कहते हैं, 'देखिए, फिल्म बनाते समय हर किसी को लगता है कि उसकी फिल्म चलेगी। अगर फिल्म नहीं चलती तो उसका कोई तय इलाज या फॉर्मूला नहीं है। हर शुक्रवार नई फिल्म आती है और हर फिल्म से कुछ नया सीखने को मिलता है। यह पूरी तरह दर्शकों पर निर्भर करता है कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। फिल्म बनाने का कोई रॉकेट साइंस नहीं है। कई लोग स्टार्स प्राइज की बात करते हैं, मगर मेरा मानना है कि स्टार्स की कीमत जनता बढ़ाती है। निर्माता भी बढ़ाते हैं। अगर किसी स्टार को नहीं लिया जाएगा तो कई बार फिल्म ही नहीं बन पाएगी। बाद में नए कलाकार भी सफल होकर वही फीस लेने लगते हैं। इसलिए यह सिलसिला चलता रहता है। कभी स्टार की फीस बढ़ती है, कभी वीएफएक्स का खर्च बढ़ जाता है, कभी किसी और चीज का। हर जगह संतुलन बनाना पड़ता है।'

दमण में निकली भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा: श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 जुलाई। भगवान श्री जगन्नाथ की 9वीं भव्य रथयात्रा दमण शहर में निकाली गई थी। जिसमें हजारों की तादाद में शहर और अन्य स्थानों से आए श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ को खींचकर पुण्य प्राप्त किया। इस शोभायात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रहों का दर्शन करने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा समिति दमण द्वारा जिले में भगवान जगन्नाथ की 9वीं भव्य रथयात्रा निकाली गई। सुबह तीन बत्ती स्थित जलाराम मंदिर में मंगल आरती के बाद धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इसके बाद रथ पर भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम और छोटी बहन सुभद्रा को विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर शहर में भ्रमण किया। मान्यता है कि जो श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचते हैं, उनका जीवन धन्य हो जाता है। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा समिति दमण द्वारा निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान दमण पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। दमण पुलिस के अधिकारियों ने स्वयं ट्रैफिक व्यवस्था संभाली और रथयात्रा मार्ग को प्राथमिकता देते हुए यातायात डायवर्ट किया, जिससे श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सिलवासा में दो अलग-अलग संगठनों ने निकाली भगवान जगन्नाथ रथयात्रा, श्रद्धा और भक्ति में डूबा शहर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 16 जुलाई। भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की पावन रथ यात्रा के अवसर पर गुरुवार को सिलवासा शहर भक्ति और उत्साह के रंग में रंग गया। शहर में दो अलग-अलग धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्राएं निकाली गईं, जिनमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन देशभर की तरह सिलवासा में भी बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। पहली रथ यात्रा का आयोजन श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति सायली-सिलवासा द्वारा किया गया। यात्रा बाविसा फलिया स्थित मंदिर परिसर से वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ हुई। रथयात्रा किलवणी नाका, झंडा चौक, गायत्री मंदिर, शिवाजी चौक और सिलवासा चार रास्ता सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी तथा अंत में गुलमोहर हॉल स्थित गुंडिचा मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी तथा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यह मार्ग पिछले वर्षों से भी धार्मिक परंपरा का हिस्सा रहा है। वहीं दूसरी ओर शहर के एक अन्य धार्मिक संगठन द्वारा भी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की रथ यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भजन-कीर्तन मंडलियों, महिला श्रद्धालुओं, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ढोल-नगाड़ों और ₹जय जगन्नाथ₹ के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचने के लिए उत्साहित दिखाई दिए, जिसे हिंदू परंपरा में अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। दोनों रथ यात्राओं के दौरान प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा स्वयंसेवकों ने भी व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश के विभिन्न शहरों की तरह सिलवासा में भी रथ यात्रा को लेकर विशेष सुरक्षा और यातायात प्रबंधन किया गया। सिलवासा में एक ही दिन दो अलग-अलग संगठनों द्वारा निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथ यात्राओं ने धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। श्रद्धालुओं का मानना है कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होने और रथ खींचने से जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

दीव जिला माछीमार एसोसिएशन के नये पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से हुई नियुक्ति:रामजी बामणिया बने नए प्रमुख

■ 12 बोट एसोसिएशनों और स्थानीय समाजों के समर्थन से चुनी गई नई टीम: मछुआरों और खलासियों के लंबित मुद्दों को सुलझाएगी नई टीम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 16 जुलाई। दीव जिला की विभिन्न स्थानीय समाजों, बोट एसोसिएशनों और पिलाणी एसोसिएशनों के सहयोग से श्री वणाकबारा संयुक्त समाज के तहत दीव जिला माछीमार एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से चयन किया गया। श्री वणाकबारा संयुक्त समाज द्वारा वणाकबारा स्थित शिव सदन सभाखंड में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें भीखा वैश्य (प्रमुख, वणाकबारा समस्त बार कोली समाज), मनोज सुरेश चुडासमा (पटेल, श्री वणकरपा कोली समाज), भरत प्रेमजी सोलंकी (पटेल, वड़ीशेरी कोली समाज), भरत उकरडा बामणिया (पटेल, वाडी-विस्तार कोली समाज), उमेश छगन बारिया (मानद मंत्री, वणाकबारा संयुक्त कोली समाज), दिनेश कानजी पांजणी (पटेल, वणाकबारा खारवा समाज), कांतिलाल लक्ष्मण बामणिया (पटेल, घोघला कोली समाज) सहित विभिन्न समाजों के प्रबुद्ध नेताओं और सभी संबंधित एसोसिएशनों के अध्यक्षों एवं प्रमुखों ने अपनी प्रेरक उपस्थिति दर्ज कराई। गहन विचार-विमर्श और आपसी तालमेल के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें सर्वसम्मति से रामजी भीखा बामणिया को एसोसिएशन के नये प्रमुख चुने गये। इसके अलावा रामजी करसन बामणिया उप-प्रमुख और संजय नरेश दरी को सह-मंत्री पद की कमान सौंपी गई है। एसोसिएशन के इन शीर्ष पदों पर की गई नियुक्तियों को दीव जिले के समस्त स्थानीय समाजों का पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ है, जिनमें मुख्य रूप से श्री वणकरपा कोली समाज, श्री वड़ीशेरी कोली समाज, श्री वाडी-विस्तार कोली समाज, श्री वणाकबारा खारवा समाज और श्री घोघला कोली समाज शामिल हैं। इस ऐतिहासिक बैठक के दौरान क्षेत्र की कुल 12 प्रमुख बोट और पीलाणी एसोसिएशनों के अध्यक्षों ने भी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को अपना पूरा समर्थन देने का ऐलान किया। समर्थन देने वाली इन संस्थाओं में वणकरपा बोट एसोसिएशन, वड़ीशेरी बोट एसोसिएशन (वणाकबारा), वणकरपा पीलाणी एसोसिएशन, वड़ीशेरी पीलाणी एसोसिएशन (वणाकबारा), खारवा बोट एसोसिएशन (वणाकबारा), खारवा बोट एसोसिएशन (वणाकबारा-अन्य), वाडी-विस्तार बोट एसोसिएशन (साउदवाड़ी), मेधावाड़ी बोट एसोसिएशन (मेधावाड़ी), टीबाशेरी बोट एसोसिएशन (वणाकबारा), पावती बोट एसोसिएशन (पावती), दीव-डांगरवाड़ी बोट एसोसिएशन (दीव) और घोघला बोट एसोसिएशन (घोघला) शामिल हैं। बैठक के समापन पर उपस्थित दीव जिले के सभी समाजों के पटेलों, विभिन्न एसोसिएशनों के पदाधिकारियों, बड़ी संख्या में आए मछुआरा दिग्गजों और भाइयों ने तीनों नए पदाधिकारियों को फूल-मालाएं पहनाकर और शॉल उड़ाकर बधाई दी। समाज के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीद जताई कि यह नई युवा टीम आगामी समय में मछुआरा समाज और खलासियों (नाविकों) की लंबे समय से लंबित पड़ी समस्याओं का उचित समाधान निकालने के लिए सराहनीय और ऐतिहासिक कार्य करेगी।

रोटरी क्लब ऑफ दमण ने रथयात्रा में लगभग 3,000 से अधिक श्रद्धालुओं को वितरण किया शरबत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 जुलाई। भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ दमण द्वारा 16 जुलाई 2026 को झांपा बार स्थित रोटरी इन्फॉर्मेशन सेंटर से श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण सेवाकार्य का सफल आयोजन किया गया। धूप और उमस भरे मौसम को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस सेवा कार्य के अंतर्गत रथयात्रा में शामिल लगभग 3000 से भी अधिक श्रद्धालुओं एवं रथ यात्रियों को शीतल एवं ताज़ा शरबत वितरित किया गया। ज्ञात हो कि पिछले 5 सालों से रोटरी क्लब दमण रथयात्रा के श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण करती आ रही है। श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए रोटरी क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया। इस सेवा कार्य में 15 रोटेरियनों तथा 12 से ज्यादा रोटरैक्टर्स एवं स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। सभी सदस्यों ने शरबत की तैयारी, वितरण एवं व्यवस्थाओं का सुचारु संचालन किया और सेवा कार्य की समाप्ति के बाद उस क्षेत्र की स्वच्छता भी सुनिश्चित कर इस सेवा कार्य को सफल बनाया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ दमण के अध्यक्ष रोटेरियन जयेश जोशी ने कहा कि समाज सेवा ही रोटरी का मूल उद्देश्य है और Service Above Self की भावना के साथ क्लब निरंतर जनहित के कार्य करता रहेगा। इस सेवा कार्य के सफल संचालन में क्लब सचिव रोटेरियन सत्येन परम्पिल, सर्विस प्रोजेक्ट चेयर रोटेरियन मनीष कपाड़िया तथा इवेंट चेयर रोटेरियन राजेश छाया के नेतृत्व में सभी रोटरी एवं स्पाउस सदस्यों के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रोटरी क्लब ऑफ दमण ने इस सेवा कार्य को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी रोटेरियनों, रोटरैक्टर्स, स्वयंसेवकों तथा शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

एबीवीपी के 'स्टूडेंट फॉर सेवा' ने दमण में जगन्नाथ रथयात्रा के पीछे की साफ-सफाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 16 जुलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 'स्टूडेंट फॉर सेवा' के कार्यकर्ताओं ने आज दमण में निकली भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा के दौरान सेवा और स्वच्छता की एक अनूठी मिसाल पेश की। रथयात्रा उत्सव के पावन अवसर पर एबीवीपी के युवा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ भगवान के रथ के पीछे पूरे मार्ग पर एक विशेष सफाई अभियान चलाया। इस सेवा कार्य के दौरान रथयात्रा मार्ग से कचरा और गंदगी हटाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस सराहनीय सेवा अभियान में मुख्य रूप से विभाग सह-संयोजक ओम पटेल, जिला संयोजक वत्सल राठौड़ और जिला छात्रा प्रमुख ग्रेसी पटेल उपस्थित रहीं, जिन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए स्वयं भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यह समर्पित टीम पिछले दो वर्षों से लगातार जगन्नाथ रथयात्रा में अपनी निःस्वार्थ सेवाएं दे रही है। अभियान के समापन पर संगठन के पदाधिकारियों और छात्र नेताओं ने समाज को आश्वस्त किया कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थियों की ऐसी ही ऊर्जावान टीम इस पवित्र और सामाजिक सेवा कार्य में पूरे उत्साह के साथ निरंतर लगी रहेगी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)